दैनिक

करंट क्राइम

www.currentcrime.com

सिर्फ सच...

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली शनिवार 30 मई -2026 ● वर्ष : 11 अंक : 156 पेज-08 ● RNI NO. DELHI/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संदेश

विनम्रता और क्षमाशीलता ही व्यक्तित्व के सच्चे आभूषण, संस्कृत सुभाषित किया साझा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर एक प्रेरणादायक संस्कृत श्लोक साझा किया और जीवन मूल्यों पर महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि विनम्रता, क्षमाशीलता और उत्तम आचरण ही किसी व्यक्ति के वास्तविक आभूषण होते हैं। प्रधानमंत्री ने अपने पोस्ट में लिखा कि इन्हीं गुणों के साथ देश के नागरिक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं।

संस्कृत श्लोक से दिया जीवन मूल्यों का संदेश

पीएम मोदी ने संस्कृत श्लोक 'तेजः क्षमा धृतिः शौचमद्रोहो नातिमानिता। भवन्ति सम्पदं दैवीमभिजातस्य भारत।।' को साझा किया और इसका गहन अर्थ भी समझाया। इस श्लोक का भावार्थ यह है कि तेजस्विता, क्षमाशीलता, धैर्य, पवित्र आचरण, अहंकार रहित व्यक्तित्व और राष्ट्र के प्रति निष्ठा जैसे गुण किसी श्रेष्ठ और दैवी संपदा वाले व्यक्तित्व की पहचान होते हैं।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी पिछले कुछ दिनों से लगातार सोशल मीडिया पर संस्कृत सुभाषित और श्लोक साझा कर रहे हैं। इन संदेशों के माध्यम से वे भारतीय संस्कृति, दर्शन और जीवन मूल्यों को जनता तक पहुंचा रहे हैं। एक दिन पहले उन्होंने वीर सावरकर की जयंती पर भी श्रद्धांजलि देते हुए एक श्लोक साझा किया था, जिसमें ज्ञान और पराक्रम के संतुलन का संदेश दिया गया था।

इसके अलावा बुधवार को साझा किए गए श्लोक में प्रधानमंत्री ने निरंतर प्रयास, धैर्य और दृढ़ संकल्प को जीवन में सफलता का आधार बताया था। उन्होंने कहा था कि जो व्यक्ति अपने लक्ष्य के लिए निरंतर प्रयास करता है, वह निश्चित रूप से उसे प्राप्त करता है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पहुंचे जिला कार्यालय

सरकार के जुल्मों सितम का कांग्रेस के कार्यकर्ता डटकर मुकाबला करेंगे: अजय राय

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि प्रदेश सरकार जितना भी जुल्म कर ले कांग्रेस कार्यकर्ता झुकने वाले नहीं है। हर प्रदेश सरकार के हर जुल्म का जवाब देने के लिए कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता तैयार है। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि प्रदेश में दलित एवं पिछड़ों पर अत्याचार की सीमा पर हो गई है संवेदना व्यक्त करने जाते समय भी पुलिस बल लगाकर उन्हें रोका जाता है। पिछले दिनों महोबा में एक दलित लड़की को 18 दिनों तक बंधक बनाकर दुष्कर्म किया गया। जब उनके नेतृत्व में कांग्रेस के एक प्रतिनिधि मंडल वहां जाने के लिए निकाला तो उन्हें रोकने की कोशिश की गई। सरकार का कोई नुमाइंदा पीड़ित के घर तक नहीं पहुंचा।

अजय राय ने कहा कि जब पीड़िता का दुख साझा करने उसके घर जा रहे थे तब उन्हें हर संभव रोकने की कोशिश की गई। मगर वह पीड़िता के घर पहुंचे। और पीड़िता को हर संभव

न्याय का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि सरकार कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के जाने से बौखला गई है। यह संवेदनहीन सरकार खुद तो पीड़िता का दुख साझा करने की संवेदना नहीं रखते, अगर विपक्ष के प्रदेश अध्यक्ष पीड़िता का दुख साझा करने की संवेदना व्यक्त करते हैं तो सरकार की परेशानी बढ़ जाती है। महानगर अध्यक्ष वीर सिंह जाटव ने बताया कि पूरे उत्तर प्रदेश में सरकार की शह पर भाजपा कार्यकताओं द्वारा उनके इस मानवीय और नैतिक कार्य के विरोध में प्रदेश अजय राय के खिलाफ धरना प्रदर्शन शुरू हो गया। सरकार के मंत्री और विधायक भी आगे

विस्तृत खबर, पृष्ठ 2

खोड़ा में युवक की सरेराह चाकू मारकर हत्या, इलाके में तनाव

पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा, कई हिरासत में

फाईल फोटो

गाजियाबाद, करंट क्राइम। खोड़ा थानाक्षेत्र के नवनीत विहार कॉलोनी में बकरीद के दिन एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिए नोएडा के अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है और पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है।

जानकारी के अनुसार मृतक युवक अपने एक दोस्त के साथ कहीं जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में कुछ युवकों से उसका विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद के दौरान युवक पर चाकू से हमला किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव के अनुसार प्रारंभिक जांच में मामला आपसी विवाद का प्रतीत हो रहा है।

पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। मामले में कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

फुटेज खंगाल रही पुलिस, इलाके में बढ़ाई गई सुरक्षा

करंट क्राइम : घटना की सूचना मिलते ही खोड़ा पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी। आरोपियों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही घटना में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटना के बाद नवनीत विहार कॉलोनी और आसपास के क्षेत्रों में तनाव का माहौल बना हुआ है। एहतियात के तौर पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। विभिन्न संगठनों के लोग भी थाने पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की है। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

31 मई तक आंधी-तूफान और ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट

प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। मौसम विभाग, लखनऊ ने प्रदेश के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में बने चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से 29 से 31 मई तक आंधी-तूफान, ओलावृष्टि और व्यापक वर्षा की संभावना जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जिला प्रशासन ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने, जर्जर भवनों, बिजली के खंभों और पेड़ों से दूर रहने की अपील की है। प्रशासन ने किसानों को कटी फसल सुरक्षित स्थान पर रखने तथा खराब मौसम के दौरान खेतों में न जाने की सलाह दी है। किसी भी आपात स्थिति में 108 और 102 नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

साजिशें भी कद छोटा न कर पाई थीं डॉ बशीर बद्र का

विश्व प्रसिद्ध शायर डॉ बशीर बद्र को श्रद्धांजलि

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। शायरी और कविता के क्षेत्र में प्रसिद्धि तो बहुत लोगों को मिल जाती है मगर उस रचनाकार का व्यक्तित्व भी बहुत अच्छा हो, ये जरूरी नहीं है। डॉ बशीर बद्र की बात की जाए तो हर कोई यही कहेगा कि वो जितने अच्छे शायर थे, उतने ही अच्छे इंसान भी थे। उनके चले जाने से अदब की दुनिया में मायूसी छा जाना स्वाभाविक ही है। डॉ बशीर बद्र से कई बार मेरी मुलाकात हुई। करीब ढाई दशक पहले तक गाजियाबाद के मुशायरों में उनका बहुत आना जाना था।

एक पत्रकार के रूप में दो बार उनका इंटरव्यू भी किया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर घंटाघर रामलीला मैदान में होने वाले मुशायरे में लगभग हर साल ही बशीर साहब का आना होता था। उनका नंबर अक्सर सुबह लगभग चार बजे ही आता था और उन्हें सुनने के लिए हजारों लोग बैठे कड़ी सर्दी में भी बैठे रहते थे। करीब 20 साल पहले वो तत्कालीन मेयर दिनेश चंद्र गर्ग के निवास पर भी आए थे और बहुत देर तक शहर के चुनिंदा श्रोताओं को शायरी सुनाई थी।

मार्च, 2017 में भोपाल में उनके निवास पर भी मेरा जाना हुआ जब वो बीमारी की अवस्था में चारपाई पर ही थे। किसी को पहचानने की क्षमता लगभग खत्म हो चुकी थी। उस समय भोपाल में राम कथा वक्ता मोरारी बापू की राम कथा थी। बापू के साथ ही बशीर बद्र साहब के घर जाने का मौका मिला था। फोन पर उनकी पत्नी राहत के साथ बातचीत कर वहां पहुंचने का दिन और टाइम मेरे द्वारा ही तय हुआ था।

बशीर साहब की शायरी दुनिया के तमाम शायरों के मुकाबले कुछ अलग तरह की थी। बहुत ही सादगी के साथ वो दिल को छू देने वाली बात कहते थे। उनका व्यक्तित्व भी उतना ही सादगी भरा था। बातचीत के दौरान कभी एहसास ही नहीं होने देते थे कि वो दुनिया के सबसे बड़े

शायरों में शुमार हैं। करीब 25 साल पहले राजनगर में एक लोकल टीवी चैनल के स्टूडियो में मुझे उनका इंटरव्यू लेने के लिए पहुंचना था। मैं लगभग आधे घंटे लेट पहुंचा था और माफी मांगते हुए उनसे कहा था कि बशीर साहब, माफ करना। पत्रकारिता की दुनिया में कभी-कभी वजह से और कभी-कभी बेवजह भागदौड़ हो जाती है। इस पर मुस्कुराते हुए उन्होंने अपने शेर सुनाए थे-

यूं ही बेसबब ना फिर करो, किसी शाम घर भी रहा करो....
ये नए मिजाज का शहर है, जरा फासले से मिला करो।

बशीर साहब के बारे में एक और बात कहना चाहूंगा। भारत के कुछ चुनिंदा बड़े शायरों ने उनके खिलाफ उनकी लोकप्रियता से चिढ़ कर बहुत साजिश कीं। मंच पर गाली गलौच तक बशीर साहब के साथ हुई लेकिन वो बराबर अपनी शायरी के सफर पर आगे बढ़ते रहे और अदब की दुनिया में ऐसे मुकाम पर पहुंच गए जहां पहुंचना बाकी लोगों के लिए आसान काम नहीं है।

राज कौशिक
शायर एवं पत्रकार

दो भगवा पार्षदों के बीच पानी की लड़ाई की ऐसी कहानी

एक ने कहा मिलेगा जल, दूसरे ने कहा नहीं आने दूंगा ऐसे तो पानी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जनप्रतिनिध चुने गये हैं जनता की समस्याओं के लिए मगर कई बार ये जनप्रतिनिधि क्रेडिट की लड़ाई में जनता की समस्याओं का समाधान कराने के बजाये आपसी घमासान में उलझ जाते हैं। जनता मजा तब लेती है जब एक ही दल के दो नेता अपना अपना बल दिखाने पर उतर आते हैं। किस्सा दो वार्डों के बीच का है और पानी की कहानी का रंग निगम के कर्मचारियों से लेकर मौहल्ले की जनता की जुबान से बिखर रहा है। बताते हैं कि किस्से में दस हॉसपावर की एक मोटर का मामला है। दोनों ही पहली बार के पार्षद हैं और दोनों ही एक दल से हैं।

एक पार्षद ने जनता की पानी की समस्या का समाधान कराने के लिए दस होर्सपावर की एक मोटर का इंतजाम किया। निगम का अमला मोटर लेकर पहुंच गया। अब कोई और यहां रूकावट डालता तो सरकारी काम में बाधा मानी जाती मगर यहां तो सरकार वाले दल का पार्षद भी आ गया। उसने कहा कि ऐसे कैसे यहां मोटर लग जायेगी। निगम वालों ने सूचना उन पार्षद को दे दी जिनके लैटर

पर ये मोटर स्वीकृत होकर आयी। सुना है कि वो भी मौके पर आ गये। फजीता इतना बढ़ा कि वार्ड का फीता निकाल लिया गया।

एक दूसरे की सीमाये चैक होने लगी। निगम वाले खामोश होकर तमाशा देख रहे थे और वार्ड के जनप्रतिनिधि पूरे जोश में थे। सूत्र बताते हैं कि फिर निगमवाले पार्षद ने बड़ी वाली चेयरको फोन मिला दिया। अब क्या फीड किया , नहीं किया। लेकिन उधर से निगम के दस्ते के पास लीड मिल गयी कि मोटर उतारने से पहले का वीडियो बनाओ मोटर लगी का वीडियो बनाओ और एक घंटे के भीतर ये मोटर यहां से हट जानीचाहिए। आदेश बड़ी चेयर से था तो निगम वालों ने दोनों पार्षदों को साईड किया और पूरे प्रॉजेक्ट को उठाकर पैक किया। फिर वीडियो बनायी और सैंड कर दी। मौहल्ले वाले बता रहे हैं कि दस फिट तो खुदाई भी हो गयी थी और उसके बाद मोटर और सारे समान की यहां से लदाई हो गयी। दो पार्षदों की लड़ाई में निगम वालों ने पूरा आनंद लिया और सामान लेकर चले गये। दस होसपावर की मोटर में सोर्स का मोड़ आ गया। सुना है कि जनता की समस्या को केन्द्र में रखते हुए दोनों पार्षदों के हाथ मिलवाये गये हैं। अगर सबकुछ ठीक रहा और किसी एक पार्षद ने और अधिक उपर से फोन नहीं कराया तो मोटर पुनः नीचे जायेगी। पानी आयेगा और कहानी का समाधान हो जायेगा।

बताया ये जाता है कि पानी की कहानी ऐसी है कि इस वार्ड में मोटर लगी है और उस वार्ड की जनता को पानी मिलता है। उस वार्ड में मोटर लगी है तो इस वार्ड की जनता को पानी मिलता है। पार्षद जनता की समस्याओं का समाधान चाहते हैं लेकिन पता नहीं क्यों आपस में घमासान पर उतारू हैं। अब जनता के लिए पानी वाला सीन सोमवार तक शुरू हो सकता है।

शुरू हो रही है गंगाजल की कहानी

विजय नगर के कई वार्डों में पहुंचा शुद्ध पानी

अगले सप्ताह तक पूरी योजना शुरू होने की तैयारी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। विजय नगर क्षेत्र में वर्षों से बने पेयजल संकट को दूर करने की दिशा में नगर निगम की गंगाजल योजना अब धरातल पर दिखाई देने लगी है। क्षेत्र के कई वार्डों में गंगाजल आपूर्ति का ट्रायल शुरू हो चुका है, जबकि शेष इलाकों में अगले सप्ताह तक जलापूर्ति शुरू किए जाने की तैयारी है। गर्मी के मौसम में इस योजना से लाखों लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। नगर निगम और जलकल विभाग की ओर से विजय नगर क्षेत्र में चरणबद्ध तरीके से गंगाजल सप्लाई शुरू की जा रही है। कई भूमिगत जलाशयों और ऊंची पानी की टंकियों तक गंगाजल पहुंच चुका है और परीक्षण भी शुरू हो गया है। क्षेत्रवासियों और पार्षदों ने इसे विजय नगर के लिए बड़ी सौगात बताया है।कई वार्डों में पहुंचा शुद्ध जल, अगले सप्ताह तक योजना पूरी होने की उम्मीद है। जलकल विभाग की टीम ने वार्ड 48 मिजार्पुर, वार्ड 14 सर्वोदय नगर, वार्ड 15 प्रताप विहार एल-ब्लॉक, वार्ड 58 शिवपुरी, वार्ड 03 पुराना विजयनगर, वार्ड 51 केलाखेड़ा और वार्ड 55 सेक्टर-11 प्रताप विहार डी-ब्लॉक में गंगाजल का ट्रायल शुरू किया। वहीं वार्ड 04 माता कॉलोनी और वार्ड 25 अंबेडकर नगर-शंकरपुरी में पाइपलाइन मरम्मत और लीकेज ठीक करने का काम जारी है।

महापौर बोलीं अगले सप्ताह तक मिलेगा लाभ

करंट क्राइम : मेयर सुनीता दयाल ने बताया कि करीब 17 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 10 एमएलडी क्षमता वाली योजना का अधिकांश कार्य पूरा हो चुका है। 6 में से 5 टंकियों तक गंगाजल पहुंच चुका है और परीक्षण जारी है। उन्होंने कहा कि योजना पूरी होने के बाद विजय नगर के लाखों लोगों को राहत मिलेगी। साथ ही जल निगम द्वारा कार्य में हुई देरी पर संबंधित एजेंसी के भुगतान में कटौती भी की जाएगी।

नगर आयुक्त के निर्देश पर तेजी से चल रहा काम

करंट क्राइम : नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश पर जलकल विभाग द्वारा ट्रायल और तकनीकी परीक्षण तेजी से किए जा रहे हैं। महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद ने बताया कि अगले एक सप्ताह में शेष वार्डों में भी गंगाजल पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। क्षेत्र में सप्लाई के लिए विभिन्न भूमिगत जलाशयों और ऊंची पानी की टंकियों से जलापूर्ति की जाएगी।

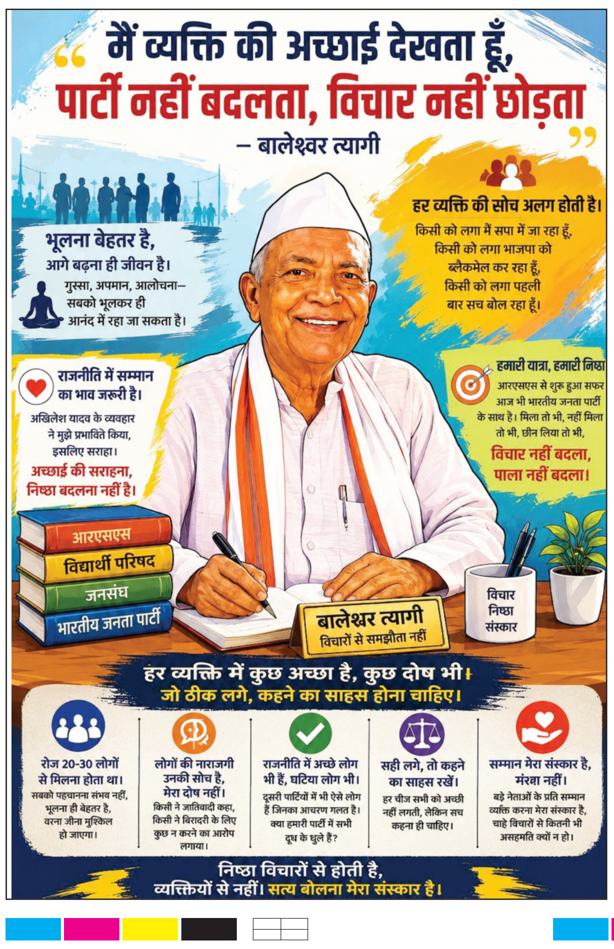

बोले बालेश्वर त्यागी: अखिलेश की तारीफ की तो निष्ठा पर सवाल उठ गए

गाजियाबाद, करंट क्राइम। एक सज्जन मुझसे इस लिए नाराज हैं क्योंकि वे 34 साल पहले जब मैं मंत्री था मुझसे लखनऊ मिलने आये थे। मैने पंद्रह मिनट तो गर्दन ऊपर नहीं उठाई और फिर चश्मे में से झांकते हुए पूछा कि आप बताओ क्या काम है। उन्होंने कहा कि काम कोई नहीं है । बिरादरी के नाते आपसे मिलने आए थे। फिर मैं अपने काम में लग गया । उनके अनुसार वे जीवन भर इस अपमान को भूल नहीं पाएंगे। लेकिन मुझे याद नहीं है। मैं भूलने को अच्छा समझता हूं क्योंकि अगर सब याद रहा तो जीना मुश्किल हो जाएगा।

मुझे तो रोज बीस तीस लोगों से मिलना होता था। जिन्हें मैं जानता नहीं था, पहचानता नहीं था , कभी उन्होंने मेरी सहायता भी नहीं की थी। और भविष्य में भी कोई संभावना नहीं थी लेकिन उनके गुस्से को भी भूल गया । इसलिए आनंद में रहता हूं। एक सज्जन मुझसे इस लिए नाराज हैं, जब वे मेरा पास आए थे तो मेरे पास कई लोग बैठे थे और मैं उनसे गप कर रहा था और वे सारे त्यागी थे। कई लोग मुझसे इस लिए नाराज हैं क्योंकि मैने बिरादरी के लिए कुछ नहीं किया और कई लोग इसलिए नाराज हैं कि मैं जाति वादी हूं। ये उनका दोष नहीं है। मेरे साथ भी ऐसा ही है। जब भारत सरकार ने मुलायम सिंह यादव जी को पद्म विभूषण से सम्मानित किया था तो मुझे भी अखरा था। हर चीज सभी को अच्छी नहीं लगती। कल जब मैने अपनी पोस्ट पर यह लिख दिया कि अखिलेश यादव जब मुख्य मंत्री बने तो उनके व्यवहार ने मुझे प्रभावित किया तो कई लोगों को लगा कि मैं सपा में जा रहा हूं। कई को लगा कि मैं भाजपा को ब्लैक मेल कर रहा हूं। कई को लगा कि मैं पहली बार सच बोल रहा हूं। इसमें मेरा कोई दोष नहीं है , जिसकी जैसी सोच। मेरा संस्कार है कि मैं किसी भी बड़े नेता के प्रति सम्मान का भाव प्रकट करूं। चाहे उनके विचारों से मेरी कितनी भी असहमति क्यों न हो ।

हमने राजनीति में जहां आँख खोली, आज भी वहीं खड़े हैं। आरएसएस से प्रारंभ हुआ सफर , विद्यार्थी परिषद जनसंघ और फिर भारतीय जनता पार्टी में पहुंचे। मिला तो भी और नहीं मिला तो भी , छीन लिया तो भी , वहीं हैं कहीं नहीं गये। लोगों ने बुलाया भी लेकिन विचार के साथ जुड़े होने के कारण इंकार कर दिया। गाजियाबाद में मेरे समय के लोगों में मैं ही अकेला हूं जो कभी पाला नहीं बदला। अखिलेश यादव के लिए दो अच्छे शब्द क्या बोल दिये तो निष्ठा पर सवाल उठने लगा। वैसे अब मैं भाजपा का समर्थक हूं। नेता या प्रवक्ता नहीं हूं।

लेकिन क्या राजनीति में किसी व्यक्ति को अपनी समझ के अनुसार कोई बात कहने का हक नहीं है ? हर व्यक्ति में कुछ अच्छा है और कुछ दोष हैं। मुझमे भी बहुत सारे दोष हैं। आज हम जीवन के जिस पड़ाव पर हैं क्या हमें जो ठीक लगे कहने का साहस नहीं दिखाना चाहिए ? क्या राजनीति में अच्छे लोग नहीं हैं , क्या राजनीति में घटिया लोग नहीं हैं क्या दूसरी पार्टियों में ऐसे लोग नहीं हैं जिनका आचरण घटिया है। क्या मेरी पार्टी में सभी दूध के धुले हैं। अखिलेश यादव के बारे में कुछ अच्छा कहना दूसरों की निंदा नहीं है। जो सपा में बुराइयां हम देखते हैं , उनके सबके जवाबदेह अखिलेश जी ही हैं लेकिन उनमें कोई इंसानियत नहीं है, कोई अच्छाई नहीं है ये समझना अनुचित है।

प्रमुख बातें

1 हर व्यक्ति अपनी सोच के अनुसार निष्कर्ष निकालता है
लेखक का कहना है कि लोगों की धारणा अलग-अलग होती है। एक ही बात को कोई प्रशंसा, कोई आलोचना और कोई राजनीतिक संकेत के रूप में देख सकता है।

2 पुरानी नाराजगियों को ढोने के बजाय भूलना बेहतर है
लेखक मानते हैं कि सार्वजनिक जीवन में हजारों लोगों से मुलाकात होती है। यदि हर घटना और हर नाराजगी को याद रखा जाए तो जीवन कठिन हो जाएगा।

3 राजनीतिक असहमति के बावजूद सम्मान संभव है
लेखक का संस्कार है कि किसी भी बड़े नेता के प्रति सम्मान व्यक्त करें, चाहे उनके विचारों से कितनी भी असहमति क्यों न हो। इसी भावना से उन्होंने अखिलेश यादव के व्यवहार की प्रशंसा की।

4 विचारधारा के प्रति निष्ठा पर लेखक को गर्व है
आरएसएस, विद्यार्थी परिषद, जनसंघ और भाजपा की यात्रा का उल्लेख करते हुए लेखक कहते हैं कि उन्होंने कभी राजनीतिक पाला नहीं बदला और कई प्रस्ताव मिलने पर भी अपने विचारों से समझौता नहीं किया।

5 राजनीति में सच बोलने और अच्छाई स्वीकार करने का साहस होना चाहिए
लेखक का मानना है कि कोई भी व्यक्ति या दल पूर्णतः अच्छा या बुरा नहीं होता। जिस बात को सही समझें, उसे कहने का साहस होना चाहिए, भले ही लोग उसके अलग-अलग अर्थ निकालें।

लेकिन क्या राजनीति में किसी व्यक्ति को अपनी समझ के अनुसार कोई बात कहने का हक नहीं है ?

किसानों के मसीहा को नमन, सीएम ने दी श्रद्धांजलि

विधान भवन में पुष्पांजलि अर्पित कर मुख्यमंत्री बोले

किसान विकास एजेंडे और सरकार की प्राथमिकता के केंद्र में रहें

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व प्रधानमंत्री ह्यभारत रत्न चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की और कृषि व राजस्व के क्षेत्र में अनेक रिफॉर्म किए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम योगी ने विधान भवन स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पार्चन किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत मां का महान सपूत और किसानों का मसीहा बताया। चौधरी साहब को जाता है कृषि, राजस्व के क्षेत्र में अनेक रिफॉर्म का श्रेय मुख्यमंत्री ने कहा कि चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसंबर 1902 को उत्तर प्रदेश में हुआ था। वह देश के स्वाधीनता आंदोलन से जुड़े थे। देश में कृषि, राजस्व के क्षेत्र में तमाम रिफॉर्म का श्रेय उन्हें जाता है।

सरकार की प्राथमिकता का हिस्सा होना चाहिए किसान

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान विकास के एजेंडे और सरकार की प्राथमिकता का हिस्सा होना चाहिए। शासन की योजनाएं किसानों को ध्यान में रखकर तैयार की जानी चाहिए। चौधरी चरण सिंह द्वारा देशहित में किए गए कार्यों को ध्यान में रखते हुए उन्हें भारत रत्न की उपाधि से भी सम्मानित किया गया।

किसानों के हित से जुड़े अनेक कार्यक्रम चला रही उत्तर प्रदेश सरकार

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार चौधरी चरण सिंह की स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने के लिए किसानों के हित से जुड़े अनेक कार्यक्रम चला रही है। इसमें लखनऊ में चौधरी चरण सिंह सीड पार्क का निर्माण भी महत्वपूर्ण है। देश के प्रमुख राजनेता होने के साथ ही उन्होंने देश और समाज के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया था। इस दौरान कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, राज्यमंत्री केपी मलिक, महापौर सुषमा खर्कवाल, अमरेश कुमार, विधान परिषद सदस्य लालजी प्रसाद निर्मल, रामचंद्र प्रधान, उमेश द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने 48 घंटे में दबोचे 21 बदमाश 11 पिस्टल बरामद, अपराधियों में हड़कंप

नई दिल्ली। दिल्ली में संगठित अपराध और सड़क पर होने वाले अपराध पर लगाम लगाने के रोहिणी जिला के सभी थाना क्षेत्रों में 48 घंटे का ऑपरेशन शस्त्र अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने अपराध में सक्रिय 21 घोषित बदमाशों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से पुलिस ने 11 पिस्टल, 13 कारतूस, सात चाकू और दो बाइक बरामद की है।

रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त शशांक जायसवाल ने बताया कि अभियान संगठित अपराध, अवैध हथियारों और सड़क पर होने वाले अपराधों पर नियंत्रण पाने के लिए चलाया गया। इस अभियान में रोहिणी के तमाम थानों से 15 पुलिस टीमों का गठन किया गया। जिसमें करीब डेढ़ सौ पुलिसकर्मी शामिल हुए। सभी पुलिस टीमों को बदमाशों, घोषित बदमाशों और भगोड़ा के साथ जमानत पर बाहर आए बदमाशों पर निगरानी और उनपर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इसके लिए संवेदनशील इलाकों में पिकेट

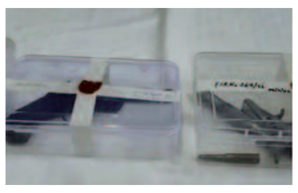

लगाने और गश्त करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस अभियान के तहत पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत 18 मामले दर्ज किए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए घोषित बदमाशों में बवाना से बाबू को गिरफ्तार किया गया, जिसपर 20 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं बेगमपुर से चोरी के 40 मामले में शामिल एक बदमाश स्वामी को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही एक बदमाश को गिरफ्तार किया, जिसने नाबालिग रहते हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। उसके कब्जे से पुलिस ने पिस्टल और कारतूस बरामद किए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा शांति भंग करने की आशंका को देखते हुए एतिहातन कार्रवाई भी की गई।

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 39वीं पुण्यतिथि पर शालीमार गार्डन में दी श्रद्धांजलि

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। भारत रत्न और देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 39वीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार को शालीमार गार्डन स्थित शहीद स्थल पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। बिजलीघर के पास लगी चौधरी साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम में भाजपा नेता पप्पू पहलवान, पूर्व डिप्टी मेयर सरदार सिंह भाटी, पूर्व प्रथम पार्षद नरेंद्र राठी और भाजपा नेता कालीचरण पहलवान सहित सैकड़ों लोगों ने चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। वक्ताओं ने कहा कि चौधरी साहब किसानों के मसीहा थे। उन्होंने हमेशा गांव, गरीब और किसान के हक की लड़ाई लड़ी। उनकी सादगी और ईमानदारी आज भी प्रेरणा देती है।

इस अवसर पर मन्नू कसाना, निहाल सिंह, रामचरण चौधरी, मुरारीलाल चौधरी, धर्मपाल चौधरी, राकेश तोमर, क्षेत्रपाल तोमर, अमरजीत चौधरी, जितेंद्र सिंह, सुशील चौहान, विनोद कुमार सिंह, प्रताप चौधरी, योगराज शर्मा, भूषण लाल टिंगलू, जगदीश सती, पीडी थपलियाल, अशोक भान, दिनेश माथुर, महावीर सिंह रावत, अखिलेश श्रीवास्तव, चंद्र मोहन कैमनी आदि लोग मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह की 39वीं पुण्यतिथि पर गांव चित्तौड़ा में हवन

मुरादनगर (करंट क्राइम)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की 39वीं पुण्यतिथि पर गांव चित्तौड़ा में हवन एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान किसानों और ग्रामीणों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा हवन में आहुति देकर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में चौधरी चरण सिंह के किसान हितैषी विचारों और ग्रामीण भारत के विकास में उनके योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई।

किसानों ने दी श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय लोकदल सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने कहा कि चौधरी साहब हमेशा कहा करते थे कि देश की तरक्की का रास्ता गांव, देहात और खेत-खलिहानों से होकर गुजरता है। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन किसानों के अधिकारों, सम्मान और उनकी आर्थिक मजबूती के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह केवल एक राजनेता नहीं बल्कि किसानों की आवाज और ग्रामीण भारत की आत्मा थे। पूर्व जिला अध्यक्ष हापुड़ बसपा सतीश प्रधान ने कहा कि चौधरी चरण सिंह की नीतियां आज भी किसानों और ग्रामीण समाज के हित में मार्गदर्शक सिद्ध हो रही हैं।

इस अवसर पर दिलावर सिंह, ईदरीश प्रधान नाहल, डेलीगेट रामकुमार चौधरी एवं निशू भारद्वाज ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में ऋषिपाल सिंह, हरेंद्र फौजी, समरजीत सिंह, सुशील कुमार, मनोज कुमार, समीर चौधरी, गौरव प्रताप सिंह, पार्थ चौधरी, कोमित चौधरी, विनीत चौधरी, बलजीत सिंह, जितेंद्र सिंह, नीरज कुमार, बीरपाल सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

चौधरी साहब के आदर्शों को आगे बढ़ाने का लिया संकल्प

मुरादनगर, करंट क्राइम। गांव चित्तौड़ा में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि चौधरी चरण सिंह की नीतियां और विचार आज भी किसानों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने किसानों, मजदूरों और ग्रामीण भारत के हितों की रक्षा के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया। वक्ताओं ने कहा कि सादगी, ईमानदारी और जनसेवा पर आधारित उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए आदर्श है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने चौधरी चरण सिंह के विचारों को जन–जन तक पहुंचाने और समाजहित में कार्य करने का संकल्प लिया। हवन एवं श्रद्धांजलि सभा का समापन उनके बताए सिद्धांतों को अपनाने और किसान हितों की रक्षा के संकल्प के साथ हुआ।

जाट सभा वसुंधरा ने मनाई चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि, शरबत बांटकर दी श्रद्धांजलि

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर हर वर्ष की तरह जाट सभा वसुंधरा में शरबत वितरण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर चौधरी साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके विचारों को याद किया गया।

कार्यक्रम में समाज के सम्मानित पदाधिकारी और गणमान्य लोग शामिल रहे। सभी ने 'चौधरी चरण सिंह अमर रहे' के नारे लगाए। वक्ताओं ने कहा कि चौधरी साहब किसानों के सच्चे मसीहा थे। उन्होंने जीवन भर गांव, गरीब और किसान के लिए संघर्ष किया। उनके दिखाए रास्ते पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। पार्षद सत्येंद्र चौधरी ने कहा कि चौधरी साहब ने हमेशा किसानों के हक की लड़ाई लड़ी। उनकी नीतियां आज भी प्रासंगिक हैं। हमें उनके आदर्शों को अपनाना चाहिए।

इस मौके पर जाट सभा अध्यक्ष बीपी सिंह, पार्षद सत्येंद्र चौधरी, महासचिव हरेंद्र सिंह, राजेश चौधरी, मनोज राठी, प्रदीप तालियां, जगबीर सिंह, सतपाल सिंह, सतीश धनकड़, यतेंद्र मलिक, सुनील चौधरी, मोहन सिंह, सुरेंद्र चौधरी, प्रताप सिंह, जगदीश हुड्डा आदि लोग लोग मौजूद रहे।

कनावनी पुस्ता रोड पर ट्रांसफार्मर में लगी आग फायर यूनिट ने समय रहते पाया काबू

इंदिरापुरम में ट्रांसफार्मर से उठी आग ने पास के खोखों को भी चपेट में लिया

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के इंदिरापुरम स्थित कनावनी पुस्ता रोड पर गुरुवार देर रात ट्रांसफार्मर में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही फायर विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तेजी से कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया। कनावनी पुस्ता रोड इंदिरापुरम में ट्रांसफार्मर में आग लगने की सूचना अग्निशमन विभाग को मिली। सूचना मिलते ही प्रभारी

अग्निशमन अधिकारी वैशाली दो फायर टेंडरों के साथ घटनास्थल के लिए रवाना हुए। मौके पर पहुंचने पर देखा गया कि वहां दो ट्रांसफार्मरों में भीषण आग लगी हुई थी। आग की लपटों ने पास में रखे खोखे और अस्थायी लकड़ी के ढांचे को भी अपनी चपेट में ले लिया था। फायर यूनिट ने तत्काल दो होज लाइन बिछाकर दोनों ओर से आग को घेरा और कड़ी मशक्कत के बाद अल्प समय में आग को पूरी तरह बुझा दिया। अग्निशमन विभाग की त्वरित कार्रवाई के चलते बड़ा हादसा टल गया। राहत की बात यह रही कि इस अग्निकांड में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

'कॉकरोच जनता पार्टी' को राहत नहीं, हाईकोर्ट ने एक्स अकाउंट को तुरंत बहाल करने से किया इनकार

नई दिल्ली। 21 मई को सीजेपी का मूल एक्स हैंडल भारत में ब्लॉक कर दिया गया। इसके बाद संगठन ने नया हैंडल कॉकरोच इज बैक शुरू किया, जिसके वर्तमान में 2.27 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट को भारत में ब्लॉक किए जाने के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार और एक्स को नोटिस जारी किया। वहीं, हाईकोर्ट ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' के ब्लॉक किए गए एक्स अकाउंट को तुरंत बहाल करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया। हाईकोर्ट ने आज कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके की याचिका पर सुनवाई की।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पहुंचे जिला कार्यालय

सरकार के जुल्मों सितम का कांग्रेस के कार्यकर्ता डटकर मुकाबला करेंगे: अजय राय

मंत्री विधायकों की संपत्ति की जांच होनी चाहिए: जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि प्रदेश सरकार जितना भी जुल्म कर ले कांग्रेस कार्यकर्ता झुकने वाले नहीं है। हर प्रदेश सरकार के हर जुल्म का जवाब देने के लिए कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता तैयार है। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि प्रदेश में दलित एवं पिछड़ों पर अत्याचार की सीमा पर हो गई है संवेदना व्यक्त करने जाते समय भी पुलिस बल लगाकर उन्हें रोका जाता है। पिछले दिनों महोबा में एक दलित लड़की को 18 दिनों तक बंधक बनाकर दुष्कर्म किया गया। जब उनके नेतृत्व में कांग्रेस के एक प्रतिनिधि मंडल वहां जाने के लिए निकाला तो उन्हें रोकने की कोशिश की गई। सरकार का कोई नुमाइंदा पीड़ित के घर तक नहीं पहुंचा।

अजय राय ने कहा कि जब पीड़िता का दुख साझा करने उसके घर जा रहे थे तब उन्हें हर संभव रोकने की कोशिश की गई। मगर वह पीड़िता के घर पहुंचे। और पीड़िता को हर संभव न्याय का भरोसा दिया।

उन्होंने कहा कि सरकार कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के जाने से बौखला गई है। यह संवेदनहीन सरकार खुद तो पीड़िता का दुख साझा करने की संवेदना नहीं रखते, अगर विपक्ष के प्रदेश अध्यक्ष पीड़िता का दुख साझा करने की संवेदना व्यक्त करते हैं तो सरकार की परेशानी बढ़ जाती है। महानगर अध्यक्ष वीर सिंह जाटव ने बताया कि पूरे उत्तर प्रदेश में सरकार की शह पर भाजपा कार्यकताओं द्वारा उनके इस मानवीय और नैतिक कार्य के विरोध में प्रदेश अजय राय के खिलाफ धरना प्रदर्शन शुरू हो गया। सरकार के मंत्री और विधायक भी आगे आकर प्रदेश अध्यक्ष का विरोध करने लगे है। बौखलाई सरकार के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के खिलाफ उनकी संपत्ति की जांच की मांग रखी है। यह बड़ा हास्यापद है। पूर्ण भ्रष्टाचार में डूबी यह सरकार और उसके मंत्री और विधायक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय जी की संपत्ति की जांच की मांग कर रहे हैं। उनका सारा सार्वजनिक जीवन खुली किताब की तरह है। अभी दो दिन पूर्व ही आगरा नगर निगम में प्राइवेट बिजली कंपनी टॉरेंट का 430 करोड रुपए माफ किया गया। इसके पहले हजारों करोड़ रुपये पूंजी पतियों के माफ कर उनसे अंदर खाने बीजेपी ने वसूली की है। जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा ने कहा कि कांग्रेस यह सिद्ध कर चुकी है कि भाजपा सरकार सरकार बन चुकी है। इससे बड़ा भ्रष्टाचार का उदाहरण भला और क्या हो सकता है जब ईडी पर ही घोटाले जांच चालू हो गई है।

उन्होंने कहा कि सरकार को वाकई अगर भ्रष्टाचार को बेनकाब करना है और उसमें अगर साहस है तो अपने मंत्रियों और अपने विधायकों की संपत्ति की जांच कर लें जिससे कि आम जनता को भी जानकारी हो जाएगी। दूध और पानी की मात्रा का पता लग जाएगा कि पिछले 9 सालों में कितनी लूट हुई है। मिट्टी के तेल में से लेकर सड़कों, अस्पताल, इंफ्रास्ट्रक्चर दवाइयां सरकारी स्कूल मिड डे मील तक चारों तरफ भ्रष्टाचार का बोलबाला है। यहां तक कि इन लोगों ने प्रभु राम की नगरी अयोध्या तक को नहीं छोड़ा है।

उन्होंने कहा कि हम राहुल गांधी जी के सिपाही हैं। हम सार्वजनिक जीवन में पूरी तरीके से सुचिता बढ़ाते हैं। जिस एजेंसी से चाहिए आप हमारी जांच करा लीजिए।

इस मौके पर विशाल वशिष्ठ, राकेश त्यागी, मेरठ महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष रंजन शर्मा, मीडिया प्रभारी आशुतोष गुप्ता, सुरेंद्र शर्मा, अश्विनी त्यागी, चंद्रपाल, राजकुमार शर्मा, बाबूराम शर्मा, सत्य प्रकाश त्यागी, अमित गोयल, हरपाल सिंह सूर्यकांत आदि उपस्थित थे।

दो पासपोर्ट मामले में अब्दुल्ला आजम को बड़ी राहत

सेशन कोर्ट ने किया बरी, फिलहाल जेल में ही रहेंगे

मुरादाबाद। रामपुर की एक अदालत ने दो पासपोर्ट मामले में सपा नेता आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आजम को बरी कर दिया गया है। इसके साथ ही कोर्ट ने उन्हें जमानत भी दे दी। उधर, दो पैन कार्ड में सजा होने के कारण वह फिलहाल जेल से बाहर नहीं आ सकेंगे। दोनों पिता-पुत्र इन दिनों रामपुर की जेल में बंद हैं।

चर्चित दो पासपोर्ट मामले में सपा नेता अब्दुल्ला आजम को बड़ी राहत मिली है। एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने शुक्रवार को उनकी अपील स्वीकार करते हुए निचली अदालत द्वारा सुनाई गई सात साल की सजा को रद्द कर दिया। कोर्ट ने इस मामले में उनकी जमानत भी मंजूर कर ली है। फिलहाल जेल से बाहर नहीं आ सकेंगे। यह मामला वर्ष 2019 में दर्ज कराया गया था। शहर विधायक आकाश सक्सेना ने सिविल लाइंस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि अब्दुल्ला आजम ने दो अलग-अलग पासपोर्ट बनवाए थे। मामले की जांच के बाद पुलिस ने आरोप पत्र दाखिल किया था। मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में चली थी। कोर्ट ने पांच दिसंबर 2025 को फैसला सुनाते हुए अब्दुल्ला आजम को दोषी ठहराया था। अदालत ने उन्हें सात साल की कैद और 50 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई थी।

निचली अदालत के इस फैसले के खिलाफ बचाव पक्ष की ओर से एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में क्रिमिनल अपील दाखिल की गई थी। वहीं अभियोजन पक्ष ने भी सजा बढ़ाने की मांग करते हुए अपील दायर की थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

शुक्रवार को एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट के न्यायाधीश विजय कुमार ने फैसला सुनाते हुए निचली अदालत के आदेश पर रोक लगा दी और अब्दुल्ला आजम को इस मामले में बरी कर दिया। अदालत ने उनकी जमानत भी मंजूर कर ली। अब्दुल्ला के अधिवक्ता नासिर सुल्तान ने बताया कि निचली अदालत ने सात साल की सजा का आदेश पारित किया था। इसके खिलाफ विशेष न्यायाधीश एमपी-एमएलए कोर्ट में अपील दाखिल की गई थी। अब कोर्ट ने अपील स्वीकार करते हुए निचली अदालत का फैसला रद्द कर दिया है। उन्होंने कहा कि हर मामला अपने अलग तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर तय होता है। न्यायालय पर पूरा भरोसा है और आगे भी न्याय मिलने की उम्मीद है।

शाकंभरी खोल में आई बाढ़, कई वाहनों समेत बह गए श्रद्धालु, दो महिलाओं की दर्दनाक मौत

सहारनपुर। सहारनपुर के शाकंभरी देवी क्षेत्र में शिवालिक पहाड़ियों में हुई तेज बारिश के बाद अचानक आई बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी। कई वाहन बह गए जबकि दो महिलाओं की मौत हो गई। प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। सहारनपुर के सिद्धपीठ श्री शाकंभरी देवी क्षेत्र में बृहस्पतिवार

रात अचानक आई बेमौसम बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी। शिवालिक पहाड़ियों में हुई तेज बारिश के बाद पहाड़ों से आए तेज पानी के बहाव में कई वाहन बह गए। हादसे के दौरान श्रद्धालुओं में अफरा-तफरी मच गई। बाढ़ की चपेट में आने से दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। तेज बहाव में बहे वाहन, मची अफरा-तफरी जानकारी के अनुसार, रात में शिवालिक पहाड़ियों में हुई मूसलाधार बारिश के बाद अचानक पानी का तेज बहाव शाकंभरी क्षेत्र में पहुंच गया। देखते ही देखते पानी ने विकराल रूप ले लिया और कई ट्रैक्टर-ट्रॉली, मोटरसाइकिल तथा अन्य वाहन बह गए। मां शाकंभरी देवी के दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालु अचानक आई बाढ़ से घबरा गए। क्षेत्र में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। स्थानीय लोगों ने भी श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने में मदद की।

महिला का शव एक किलोमीटर दूर मिला : बाढ़ के तेज बहाव में दो महिला बह गईं। घटना के बाद पुलिस और स्थानीय लोगों ने उसकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद दोनों महिलाओं के शव लगभग एक किलोमीटर दूर भूरादेव मंदिर के पास बरामद किया गया।

सहारनपुर में दिन दहाड़े पुलिस मुठभेड़, एक लाख का इनामी अहसान कपूरी ढेर, एसएसपी की जैकेट में धंसी गोलियां

सहारनपुर। सहारनपुर में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में एक लाख का इनामी बदमाश अहसान कपूरी मारा गया। मुठभेड़ के दौरान एसएसपी और कई पुलिसकर्मी घायल हुए, जबकि मौके से अवैध हथियार बरामद किए गए।

सहारनपुर में शुक्रवार को दिनदहाड़े पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में एक लाख रुपये का इनामी बदमाश अहसान कपूरी मारा गया। मुठभेड़ के दौरान बदमाशों की गोलियां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और थाना प्रभारी की बुलेटप्रूफ जैकेट में लगीं, जबकि दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर कांबिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान शुरू हुआ पीछा जानकारी के अनुसार शुक्रवार दोपहर चिलकाना थाना प्रभारी विनोद कुमार अपनी टीम के साथ हरड़ाखेड़ा क्षेत्र में वाहन जांच कर रहे थे। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर दो संदिग्ध युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का संकेत दिया, लेकिन दोनों मोटरसाइकिल मोड़कर सरसावा की ओर भाग निकले।

बाग में घुसकर बदमाशों ने की ताबड़तोड़ फायरिंग

भागते हुए बदमाश औद्योगिक क्षेत्र के पास एक बाग में घुस गए और पेड़ों की आड़ लेकर पुलिस टीम पर लगातार गोलियां चलाने लगे। इसी दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिनंदन सिंह भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने बदमाशों की घेराबंदी कर जवाबी कार्रवाई शुरू की। मुठभेड़ के दौरान दो गोलियां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की बुलेटप्रूफ जैकेट में लगीं, जबकि दो गोलियां चिलकाना थाना प्रभारी की जैकेट पर लगीं।

दो पुलिसकर्मी घायल, बदमाश की मौत

मुठभेड़ में सरसावा थाना प्रभारी प्रवेश शर्मा के बाजू में गोली लगी, जबकि सर्विलांस शाखा के प्रधान आरक्षी सोनू शर्मा के हाथ में गोली लगी। घायल पुलिसकर्मियों को तुरंत अस्पताल भेजा गया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में इनामी बदमाश अहसान कपूरी घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कई गंभीर मामलों में वांछित था बदमाश

पुलिस के अनुसार अहसान कपूरी पर लूट, डकैती और रंगदारी समेत तीस से अधिक मुकदमे दर्ज थे। वह बेहट थाने से एक लाख रुपये का इनामी घोषित था। मौके से चार अवैध हथियार और बड़ी मात्रा में कारतूस बरामद किए गए हैं। फरार दूसरे बदमाश की तलाश में पुलिस लगातार कांबिंग अभियान चला रही है।

30 May -26 page 3 29-05-26 10:58 PM Page 1

दैनिक

करंट क्राइम

www.currentcrime.com

सिर्फ सच...

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

दमकल विभाग का फायर सेफ्टी पर बड़ा एक्शन

14 हाईराइज सोसाइटियों पर कोर्ट केस

गर्मी बढ़ते ही अग्निशमन विभाग सख्त, फायर सिस्टम बंद मिलने पर होगी कानूनी कार्रवाई

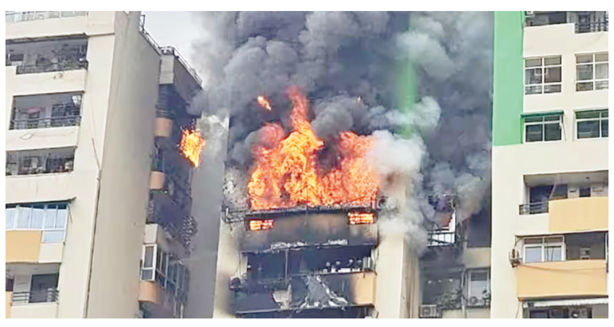

गाजियाबाद, करंट क्राइम। बढ़ती गर्मी और लगातार बढ़ रहे तापमान के बीच बहुमंजिला इमारतों में आग लगने की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए अग्निशमन विभाग ने बड़ा अभियान शुरू कर दिया है।

भवनों में बढ़ते बिजली लोड और फायर सेफ्टी सिस्टम के अकार्यशील होने को देखते हुए विभाग ने अब सीधे कोर्ट का रास्ता अपनाना शुरू कर दिया है। एफएसओ राहुल पाल ने बताया है कि अग्निशमन विभाग द्वारा शहर की हाईराइज सोसायटियों और बहुमंजिला भवनों में लगातार निरीक्षण, मॉक ड्रिल और जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

जांच के दौरान कई भवनों में फायर फाइटिंग सिस्टम, अलार्म, स्प्रिंकलर, हाइड्रेंट और अन्य सुरक्षा उपकरण बंद या खराब हालत में पाए गए। विभाग ने पहले संबंधित बिल्डर, आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों और मेंटेनेंस टीमों को नोटिस जारी कर फायर सिस्टम को तत्काल चालू कराने के निर्देश दिए। इसके बावजूद नियमों का पालन नहीं करने वाले भवन प्रबंधन के खिलाफ अब उत्तर प्रदेश अग्निशमन तथा आपात सेवा अधिनियम-2022 के तहत न्यायालय में वाद दाखिल किए जा रहे हैं।

विभाग की चेतावनी, लापरवाही से होता है नुकसान

करंट क्राइम : मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने साफ चेतावनी दी है कि जिन भवनों में फायर सेफ्टी सिस्टम मानकों के अनुसार चालू नहीं कराया जाएगा, उनके खिलाफ भी कोर्ट में मुकदमा दर्ज कराकर दंडात्मक कार्रवाई कराई जाएगी।

विभाग का कहना है कि गर्मी के मौसम में थोड़ी सी लापरवाही बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है, इसलिए सभी हाईराइज सोसायटियों को फायर सेफ्टी सिस्टम पूरी तरह कार्यशील रखना अनिवार्य है।

इन 14 सोसायटियों पर दर्ज हुआ मामला

करंट क्राइम : वैशाली और इंदिरापुरम क्षेत्र की 14 बड़ी आवासीय सोसायटियों और भवनों के खिलाफ न्यायालय में केस दाखिल कराया गया है जिनमें पिनाकल टावर सोसायटी, अहिंसा खंड-2 इंदिरापुरम, अंतरिक्ष ग्रीन अपार्टमेंट, कौशांबी, आदित्य मेगा सिटी, वैभव खंड इंदिरापुरम, हिमगिरि टावर, कौशांबी, नीलगिरि टावर, कौशांबी, शिप्रा रिवेरा टावर, इंदिरापुरम, नीलकंठ टावर, कौशांबी, एचआरसी प्रोफेशनल, वैभव खंड इंदिरापुरम, महालक्ष्मी टावर, सेक्टर-14 कौशांबी, निहो स्कोटिश गार्डन, अहिंसा खंड-2 इंदिरापुरम, रॉयल टावर, शिप्रा सन सिटी इंदिरापुरम, आम्रपाली विलेज सोसायटी, न्याय खंड-2 इंदिरापुरम, सुपरटेक आइकॉन सोसायटी, न्याय खंड-1 इंदिरापुरम और पंचशील बिल्डटेक प्रा. लि., सेक्टर-3 वैशाली शामिल हैं।

छुट्टी वाले सीजन में चोरी की वारदात बढ़ाएंगी खाकी की टेंशन

जोन बदलने के बाद बीट अफसरों को देनी होगी ज्यादा अटेंशन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद में गर्मियों की छुट्टियों के बीच पुलिस की चिंता बढ़ने लगी है। एक तरफ पुलिस कमिश्नरेट में बड़े स्तर पर पुलिसकर्मियों के तबादले हुए हैं, वहीं दूसरी ओर छुट्टियों के कारण शहर की कई सोसायटी, कॉलोनियां और मकान खाली होने लगे हैं। ऐसे में चोरी की वारदातों का खतरा बढ़ गया है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि यह समय चोर गिरोहों के लिए सबसे मुफीद माना जाता है और इसी कारण बीट पुलिस से लेकर थाना प्रभारियों तक की जिम्मेदारी भी बढ़ गई है। हाल ही में पुलिस कमिश्नरेट में बड़े स्तर पर तबादले किए गए थे। सिटी और ट्रांस हिंडन जोन में बड़ी संख्या में उप निरीक्षकों, चौकी प्रभारियों और बीट अधिकारियों के कार्यक्षेत्र बदले गए हैं। सूत्रों के अनुसार करीब 661 उप निरीक्षकों को इधर-उधर किया गया है। ऐसे में नए क्षेत्र में पहुंचे पुलिसकर्मियों को अपराधियों की गतिविधियों, हिस्ट्रीशीटरों और संवेदनशील इलाकों की जानकारी जुटाने में समय लगेगा। इसका सीधा असर पुलिसिंग व्यवस्था पर पड़ सकता है।

गर्मी की छुट्टियों में बड़ी संख्या में लोग परिवार के साथ बाहर घूमने जाते हैं। कई मकान और फ्लैट कई दिनों तक बंद रहते हैं। चोर गिरोह ऐसे ही बंद मकानों को निशाना बनाते हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पिछले वर्षों में भी छुट्टियों के दौरान चोरी की घटनाओं में बढ़ोतरी देखी गई थी। कई मामलों में चोर मिनटों में लाखों रुपये के जेवरात और नकदी लेकर फरार हो गए थे। कमिश्नरेट पुलिस अब इस चुनौती से निपटने की तैयारी में जुट गई है। ट्रांस हिंडन और सिटी जोन की कमान संभाल रहे आईपीएस अधिकारियों ने थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी और क्राइम टीम को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। पुलिस अधिकारियों को कहा गया है कि बंद मकानों और फ्लैटों पर नजर रखी जाए तथा चोरी की घटनाओं में सक्रिय रहने वाले बदमाशों का रिकॉर्ड खंगाला जाए।

घर छोड़कर बाहर जा रहे हैं तो इन बातों का रखें ध्यान

करंट क्राइम : पुलिस ने लोगों से भी सतर्क रहने की अपील की है। अगर आप छुट्टियों में घर से बाहर जा रहे हैं तो कुछ जरूरी सावधानियां जरूर बरतें।

- घर के सभी दरवाजे और खिड़कियां अच्छी तरह लॉक करें।
- घर के बाहर अखबार या दूध के पैकेट जमा न होने दें।
- सोशल मीडिया पर यात्रा की जानकारी सार्वजनिक करने से बचें।
- ड्राइवर, नौकर, धोबी या अन्य कर्मचारियों को यात्रा की पूरी जानकारी न दें।
- घर में सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा अलार्म अवश्य लगवाएं।
- पड़ोसियों या सोसायटी के विश्वसनीय लोगों को अपने घर पर नजर रखने के लिए कहें।
- लंबे समय के लिए बाहर जा रहे हैं तो स्थानीय पुलिस या बीट कांस्टेबल को सूचना दें।

जेल से छूटे चोरों की कुंडली खंगाल रही पुलिस

करंट क्राइम : डीसीपी ने निर्देश दिए हैं कि ऐसे अपराधियों की सूची तैयार की जाए जो पूर्व में चोरी की वारदातों में शामिल रहे हैं। जेल से हाल ही में बाहर आए बदमाशों की गतिविधियों पर भी निगरानी रखी जा रही है।

क्राइम टीम को पुराने गैंगों और सक्रिय चोर गिरोहों का रिव्यू करने को कहा गया है ताकि समय रहते कार्रवाई कर वारदातों पर अंकुश लगाया जा सके। पुलिस का फोकस खासतौर पर उन इलाकों पर है जहां बड़ी संख्या में फ्लैट, पॉश सोसायटी और बंद मकान हैं। बीट पुलिस को रात में गश्त बढ़ाने और संदिग्ध लोगों की जांच के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सोसायटी प्रबंधन और आरडब्ल्यूए के साथ समन्वय बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनता की सतर्कता और पुलिस की सक्रियता मिलकर ही छुट्टियों के दौरान चोरी की घटनाओं को रोका जा सकता है। नए जोन और नई जिम्मेदारियों के बीच अब बीट पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपराध पर नियंत्रण बनाए रखने की होगी।

जीडीए की पहल से राजनगर एक्सटेंशन में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की परियोजना को मिली गति

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा जनपद को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर स्थापित करने के उद्देश्य से राजनगर एक्सटेंशन क्षेत्र में विश्वस्तरीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के विकास की महत्वाकांक्षी पहल की गई है। इसी क्रम में प्राधिकरण द्वारा विस्तृत परीक्षण एवं विचार-विमर्श के उपरांत परियोजना का प्रस्ताव शासन को अनुमोदन हेतु प्रेषित किया गया है।

प्राधिकरण द्वारा इस परियोजना की आवश्यकता, व्यवहार्यता एवं जनपद के दीर्घकालिक विकास पर पड़ने वाले प्रभावों का व्यापक अध्ययन कराया गया। परीक्षण में यह तथ्य सामने आया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वर्तमान समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट स्टेडियम उपलब्ध नहीं है, जबकि गाजियाबाद की भौगोलिक स्थिति, उत्कृष्ट कनेक्टिविटी एवं तेजी से विकसित हो रहा शहरी स्वरूप ऐसी परियोजना के लिए अत्यंत उपयुक्त है। उपाध्यक्ष महोदय के निर्देशन में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के साथ कई दौर की बैठकें एवं विचार-विमर्श आयोजित किए। प्राधिकरण के प्रयासों के परिणामस्वरूप यूपीसीए द्वारा भी इस परियोजना को संयुक्त उपक्रम मॉडल के माध्यम से विकसित करने के प्रति सिद्धांततः सहमति प्रदान की गई। इसके उपरांत

विस्तृत खबर, पृष्ठ 6

पहलवान जानते हैं, साहिबाबाद सीट पर बिरादरी का फैक्टर

ब्राह्मण है पहले से काबिज, गुर्जर चेहरे के लिए नामुमकिन तो नहीं मगर मुश्किल है ये चैप्टर

क्या वो बना रहे है खोड़ा में खुद के लिए ठिकाना और साहिबाबाद में किसी खास के लिए आशियाना

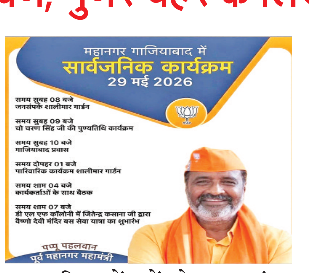

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पप्पू पहलवान राजनीति का एक ऐसा नाम हैं जो भले ही पूर्व हो जायें लेकिन अभूतपूर्व तरीके से उनकी काम करने की शैली है। उनका नाम नदियापार की सियासत में सुनाई देता है। वो सामाजिक संस्था के माध्यम से नजर आते हैं तो सुर्खियों में रहते हैं। वो विधायक के सबसे करीबी हैं तो सुर्खियों में हैं और अगर विधायक से दूरियों की चर्चा है तो पहलवान चर्चा में है। पप्पू पहलवान इन दिनों सबसे बड़ी विधानसभा में एक बार फिर सुर्खियों में आये हुए हैं। ये तब है जब उनके पास फिलहाल ना पॉलिटिकल काम है ना संगठन का दिया कोई आयाम है। लेकिन ये पप्पू पहलवान का नाम है जो साहिबाबाद की राजनीतिक फिजाओं में गूंज रहा है। इन दिनों पप्पू पहलवान खोड़ा को लेकर सुर्खियों में है। उनकी राजनीति का केन्द्र बिंदु खोड़ा बना हुआ है। इस केन्द्र बिंदु पर उन्हें केन्द्र वालों से मदद मिल रही है। यानी खोड़ा नगर पालिका में उन्हें लोकसभा सांसद अतुल गर्ग से बैकअप मिल रहा है। माना ये जा रहा है कि पप्पू पहलवान खोड़ा चेयरमैन वाली जंग में आ चुके है। यहां तक तो बात ठीक है लेकिन चर्चा उस टाईम टेबल चार्ट को लेकर है जो रोजाना जारी होरहा है। ये टाईम टेबल चार्ट पप्पू पहलवान की रोजाना की राजनीतिक गतिविधियों का है। आम तौर पर ऐसा चार्ट चुनावी दिनों में उम्मीदवार का जारी होता है। ऐसा चार्ट कई बार जनप्रतिनिधि भी जारी करते हैं। लेकिन पप्पू पहलवान का ये चार्ट उनकी पॉलिटिकट आर्ट को बता रहा है। ये आर्ट इसलिए है क्योंकि इस चार्ट में सारी लॉकेशन साहिबाबाद विधानसभा की है। चर्चा यही है कि क्या वो साहिबाबाद से दावेदारी कर रहे हैं। लेकिन जो उन्हें जानते हैं वो ये भी जानते हैं कि पप्पू पहलवान साहिबाबाद सीट का चप्पा चप्पा पहचानते हैं। वो इस सीट का बिरादरी फैक्टर जानते हैं। वो ये भी जानते हैं कि यहां ब्राह्मण पहले से काबिज है। इसके बाद यहां ठाकुर और वैश्य सीट कंसीडर हो सकती है लेकिन यहां गुर्जर समाज की सियासी भागीदारी उतना माईलेज नही ले पाती है। यहां ये बात स्पष्ट है कि इस खबर से गुर्जर समाज की वोटों का कोई आंकलन नहीं किया जा रहा है। इस खबर से ना किसी की दावेदारी हो रही है, ना ही कोई जातिगत फैक्टर की बात होरही है लेकिन जो कुछ राजनीतिक गतिविधियां चल रही है उसे लेकर एक चर्चा चल रही है। चर्चा है कि आखिर पप्पू पहलवान ने टाईम टेबल बनाकर और उसे बाकायदा एक बुलेटिन की तरह जारी कराकर क्यों राजनीतिक काम शुरू किये हैं। जब इस तैयारी का जिक्र चला तो सोशल मीडिया पर भी धीर धीरे ये बात आने लगी। हैवी वेट वालों के करीबी माने जाने वाले पूर्व मंडल अध्यक्ष कुलदीप कसाना ने एक पोस्ट डाली। और उसमें लिखा कि साहिबाबाद में तो जमीन ही नहीं है लगे रहो। इसके बाद पहलवान खेमे में भी एंट्री की और यहां दीपक राघव मैदान में आ गये। उन्होंने लिखा कि प्रॉपर्टी डीलर का काम थोड़ी करना है, चुनाव लड़ना है वो तो लड़ ही लेंगे। ये बात यहीं नही रूकी। और फिर कुलदीप कसाना आये और उन्होंने लिखा कि साहिबाबाद की जमीन में उगे धनीया पोदीने की चटनी का स्वाद। इसके बाद पप्पू पहलवान ही आ गये और लिखा कि ऊंचाईयां कभी आसान रास्तों से नही मिलती। चट्टानों से टकराकर ही नदियां अपना मार्ग बनाती हैं। फिर उन्होंने लिखा कि इतनी एडवांस बुकिंग तो रेलवे वाले भी नहीं करते और इस रूट की सभी लाईनें रिर्जव हैं वाली बात को इंडीकेट कर दिया।

अब चर्चा यही है कि क्या पहलवान यहां अपनी राजनीतिक जमीन तैयार कर रहे हैं। याफिर वो सभी समीकरण जानते हैं और खुद नगरपालिका में मूव कर रहे हैं और यहां किसी के लिए जमीन तैयार कर रहे हैं। इस चर्चा को बल और मिला है जबसे साहिबाबाद वालों ने मौके पर ही कह दिया है कि पार्टी जहां से मौका देगी वहीं से चुनाव लड़ लेगें। अब लगातार पोस्ट के जरिये निशाना साधा जा रहा है।

साहिबाबाद सीट पर ब्राह्मण फैक्टर का इतिहास

करंट क्राइम। साहिबाबाद विधानसभा सीट देश की सबसे बड़ी विधानसभासीट है। इस सीट का इतिहास देखें तो यहां शुरूआत ही ब्राहममण चेहरे से हुई है। यहां अमरपाल शर्मा ने विधानसभा सीट का चुनाव जीतकर ओपनिंग की। उसके बार यहां सुनील शर्मा चुनाव जीते ओर लगातार विधायक हैं। सबसे ज्यादा वोटों से चुनाव जीते हैं। पप्पू पहलवान की बात करें तो वो राजनीति के सारे दांवपेंच जानते हैं। यहां उनका क्या प्लान हो सकता है इसे समझना होगा। क्योंकि वो खुद खोड़ा नगरपालिका पर निशाना साध रहे हैं और सवाल यही है कि वो विधानसभा पर फोकस करते हुए आखिर यहां किसके लिए सियासी ठिकाना तैयार कर रहे हैं। कुछ तो राजनीतिक प्लान है।

भगवा महिला पॉलिटिक्स में छिड़ गयी नाक की लड़ाई

महिला नेता ने साफ कह दिया मुझे इस महिला के अंडर में काम नहीं करना मेरे भाई

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में सारी जंग दूसरे दल के लीडरों से नहीं लड़ी जाती। राजनीति में सबसे बड़ी जंग तो अपने दल के भीतर लड़ी जाती है। राजनीति में चेलेंज ही अपने दल के भीतर मिलता है और डैमेज का खतरा भी दल वालों से रहता है। ये राजनीति का रंग है और इस रंग में सभी कभी ना कभी रंग ही जाते हैं। किस्सा केसरिया पॉलिटिक्स का है और कहानी एक बैठक से निकलकर बाहर आयी। बताते हैं कि महिला मोर्चा की दावेदार एक लेडी लीडर को किसी विशेष अभियान का संयोजक बनाया गया। इस बैठक मे पार्टी की एक वरिष्ठ महिला नेता भी मौजूद थी। ये महिला नेता काफी कर्मठ और एक्टिव राजनीति करती हैं। वरिष्ठता भी है, अनुभव भी है। अब यहां प्रतिष्ठा की बात थी या ईगो का कोई ईशु है लेकिन जो कुछ भी है वो बाहर आ गया। महिला नेता ने साफ कह दिया कि ऐसा है कि मुझे इनके अंडर में काम नहीं करना है। अंडर में काम ना करने की बात सुनकर सभी वंडर में आ गये। बैठक को संबोधित कर रहे नेता ने कहा कि यहां सभी सिस्टर और ब्रदर हैं। हमें इस तरह की बातों को अदर नहीं लेना चाहिए। ये तो पार्टी का आयाम है और पार्टी का काम है, इसमें अंडर जैसी कोई बात नहीं है। लेकिन समझाने वाले को शायद ये बात नहीं पता थी कि वो दल की बात कर रहा है और यहां बात दिलों पर लगी हुई है। महिला नेता ने भी समझाने वाले को कह दिया कि तुम अभी छोटे हो और तुम्हे पता नही है। यह बात सुनकर नेता जी तो चुप हो गये लेकिन इस बात को सुनते ही एक पदाधिकारी मैदान में कूद पड़े। उन्होंने ऑब्जेक्शन उठाया कि छोटा कैसे कह दिया आपने उनका तो पद भी बड़ा है। उनके पास अनुभव है और फिर बताते हैं कि यहां फेस बुक के पुराने पन्ने भी पलट दिये गये। महिला नेता से कहा गय कि ये जो आप तंज भरी शायरी लिखती हैं, प्लीज इसे मत लिखा करो। लेकिन यहां पर रण में कूद चुके एक पदाधिकारी का पारा हाई होने लगा, वो फिर से इस बात पर आ गये कि जिन्हें आप छोटा कह रही हैं वो पद में बड़े हैं और पद की गरीमा रखनी चाहिए। सूत्र बातते हैं कि उपदेश भी हो गये, संदेश भी हो गये लेकिन यहां पर सीन कुछ ये रहा कि पंचो की बात माथे पर लेकिन पतनाला वहीं गिरेगा। यानी हम सारी बातें मान लेंगे लेकिन अंडर मे काम नहीं करना तो नहीं करना।

जब आमने-सामने बैठे जलकल और निर्माण विभाग

नगर आयुक्त ने पूछा: आखिर विकास कार्य रुक क्यों रहे हैं?

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम मुख्यालय में हुई समीक्षा बैठक उस समय बेहद दिलचस्प हो गई जब शहर के विकास कार्यों में देरी को लेकर नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने जलकल और निर्माण विभाग के अधिकारियों को आमने-सामने बैठाकर जवाब तलब किया। विभागों के बीच समन्वय की कमी सामने आने पर नगर आयुक्त ने अधिकारियों के साथ-साथ संबंधित ठेकेदारों को भी कड़ी फटकार लगाई और स्पष्ट कर दिया कि अब बहानों से नहीं, काम से जवाब देना होगा।

पोर्टल के माध्यम से शहर में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान नगर आयुक्त ने पाया कि कई स्थानों पर जलकल विभाग के कार्य और निर्माण विभाग की परियोजनाएं एक-दूसरे के लिए बाधा बन रही हैं। इस पर उन्होंने दोनों विभागों को निर्देश दिए कि आपसी तालमेल बनाकर कार्य करें, ताकि जनता को परेशानी न हो और विकास कार्य समय पर पूरे हो सकें।

वर्क ऑर्डर के बाद इंतजार नहीं, काम शुरू होना चाहिए

बैठक में नगर आयुक्त का सख्त रुख ठेकेदारों के प्रति भी देखने को मिला। उन्होंने कहा कि वर्क ऑर्डर जारी होने के बाद कार्य शुरू करने में देरी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। शहर में जिन परियोजनाओं के वर्क ऑर्डर जारी हो चुके हैं, उनमें 10 जून तक काम शुरू करने की अंतिम समय-सीमा तय की गई। तालमेल की कमी पर सख्त संदेश, विकास कार्यों में अब नहीं चलेगी ढिलाई बैठक का सबसे बड़ा संदेश यही रहा कि शहर के विकास कार्यों में विभागीय खींचतान और समन्वय की कमी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नगर आयुक्त ने साफ कर दिया कि जनता की सुविधा सर्वोपरि है और इसमें बाधा बनने वाले किसी भी अधिकारी या ठेकेदार को बख्शा नहीं जाएगा।

लापरवाही पर ठेकेदार ही नहीं, इंजीनियर भी होंगे जिम्मेदार

करंट क्राइम। नगर आयुक्त ने मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी और महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप कराए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने पर संबंधित ठेकेदारों के साथ-साथ अवर अभियंता और अधिशासी अभियंता के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार और अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। नगर आयुक्त ने सभी विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने और उन्हें पोर्टल पर अपडेट रखने के निर्देश भी दिए।

दावेदारी के बावजूद दिखाई राजनीतिक परिपक्वता

डॉ. अतुल जैन ने श्रीचंद शर्मा को दी शुभकामनाएं

गाजियाबाद करंट क्राइम। मेरठ मंडल शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद चुनाव के लिए भाजपा नेतृत्व द्वारा एक बार फिर श्रीचंद शर्मा को प्रत्याशी घोषित किए जाने के बाद राजनीतिक और शैक्षिक क्षेत्र में प्रतिक्रियाओं का दौर जारी है। इसी क्रम में गाजियाबाद लोहा विक्रेता मंडल के अध्यक्ष एवं टेक्निकल इंस्टीट्यूशंस फाउंडेशन ऑफ उत्तर प्रदेश के महासचिव डॉ. अतुल कुमार जैन ने दादरी स्थित कार्यालय पहुंचकर श्रीचंद शर्मा को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

विशेष बात यह रही कि डॉ. अतुल जैन स्वयं भी लंबे समय से शिक्षक सीट के लिए मजबूत दावेदारों में गिने जा रहे थे। शिक्षा जगत, व्यापारिक संगठनों और सामाजिक क्षेत्र में उनकी सक्रिय भूमिका के चलते उनके नाम की भी चर्चा थी। इसके बावजूद उन्होंने संगठन के निर्णय का सम्मान करते हुए राजनीतिक परिपक्वता और बड़े दिल का परिचय दिया तथा घोषित प्रत्याशी के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। डॉ. अतुल कुमार जैन ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि श्रीचंद शर्मा शिक्षकों के हितों, शिक्षा की गुणवत्ता और शैक्षणिक विकास के लिए पहले की तरह निरंतर कार्य करते रहेंगे। उन्होंने भाजपा नेतृत्व में होने वाले चुनाव में श्रीचंद शर्मा की भारी बहुमत से विजय की कामना भी की। व्यापारिक और शैक्षिक क्षेत्र में डॉ. अतुल जैन की पहचान एक प्रभावशाली चेहरे के रूप में रही है।

गाजियाबाद लोहा विक्रेता मंडल के अध्यक्ष होने के साथ-साथ वे कई महत्वपूर्ण व्यावसायिक और शैक्षणिक संगठनों से जुड़े हैं। यही कारण है कि उनकी प्रतिक्रिया को शिक्षक राजनीति और संगठनात्मक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दादरी स्थित कार्यालय में हुई मुलाकात के दौरान श्रीचंद शर्मा ने डॉ. अतुल जैन का स्वागत करते हुए उनके समर्थन और शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया। वहीं डॉ. अतुल जैन ने भी मिले सम्मान और आदर-सत्कार के लिए उनका धन्यवाद ज्ञापित किया। राजनीतिक और सामाजिक हलकों में इस मुलाकात को सकारात्मक संदेश के रूप में देखा जा रहा है, जहां व्यक्तिगत दावेदारी से ऊपर उठकर संगठन के निर्णय को प्राथमिकता देने की भावना दिखाई दी।

संपादकीय

गजल का नगीना विदा

बशीर बद्र अपने शब्दों में तन्हाई और पीड़ा को बखूबी उकेरते थे। वे चुभती जरूर थीं, मगर मन के किसी कोने दर्ज हो जाती थीं।

आम लोगों के जीवन के गहरे जख्मों को जीवंत शब्द देने वाले बशीर बद्र अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन दिल को छू लेने वाली अपनी शायरी के लिए वे हमेशा याद किए जाएंगे। वे जितने सरल थे, उनकी रचनाओं में उतनी ही सादगी और सहजता थी। उनमें इस कदर भाव अभिव्यक्त होते थे कि हर किसी को उनकी पंक्तियां अपनी-सी लगती थीं। आधुनिक गजल के इस उस्ताद के रचना संसार में जिंदगी का हर वह लम्हा था, जिसे मनुष्य जीता है। बशीर बद्र अपने शब्दों में तन्हाई और पीड़ा को बखूबी उकेरते थे। वे चुभती जरूर थीं, मगर मन के किसी कोने दर्ज हो जाती थीं। वे अपनी शायरी में उस शहर को भी जीते रहे, जहां अजनबियत बढ़ती चली गई थी। उन्होंने नए मिजाज के शहर को वक्त रहते पहचान लिया था। वे संघर्ष भरे रास्ते से गुजरे और जिंदगी की शाम आने से पहले उन्होंने लोगों की जुबान पर चढ़ जाने वाली कालजयी पंक्तियां रचीं। बशीर साहब के मशहूर शेर में समाज के जटिल ताने-बाने के बीच जद्दोजहद करने का जज्बा दिखता है। उनमें जिंदगी के कई पाठ हैं। उनकी शायरी हमें जीने का रास्ता दिखाती है। हममें से न जाने कितने ऐसे लोग होंगे जो किसी न किसी मौके पर उनकी शायरी को याद करते रहे और उन्हें दोहराते रहे हैं। जीवन में संवेदनात्मक उतार-चढ़ाव के वक्त न जाने के कितने लोगों ने उनकी शायरी को अपना सहारा बनाया होगा। बशीर बद्र अपने जीवन में जिस मुकाम पर पहुंचे, वहां तक पहुंचना कोई आसान नहीं था। अपने दम पर उन्होंने पढ़ाई पूरी की और कॉलेज में लंबे समय तक पढ़ाया। हिंदी और फारसी पर उनकी गहरी पकड़ थी। वे उर्दू तक सीमित नहीं रहे। उनकी कई रचनाओं का अनुवाद हुआ और दुनिया भर में वे मशहूर हुईं। कई बड़े पुरस्कारों से नवाजे गए बशीर हमेशा विनम्र रहे। दुनिया को मुसाफिरखाना मानने वाले बशीर बद्र के निधन से उनके प्रशंसक दुखी हैं। निस्संदेह उन्होंने एक ऐसी शख्सियत को खो दिया है, जिन्हें आधुनिक शायरी का नगीना माना गया। सच यह है कि बशीर बद्र एक ऐसे शायर थे, जिनके शब्द भावों की गहराई लेकर दिलों में धड़कते हैं।

मशहूर शायर बशीर बद्र का 91 साल की उम्र में निधन हो गया है। उनके जाने की खबर से साहित्य और गजल प्रेमियों के बीच शोक की लहर दौड़ गई है। जावेद अख्तर समेत तमाम लोग उनके निधन पर शोक व्यक्त कर रहे हैं। उर्दू शायरी में बशीर बद्र का नाम बड़े और मशहूर गजलकारों में लिया जाता था। उनकी शानदार शायरी और साहित्य में योगदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री पुरस्कार दिया था। उर्दू शायरी की दुनिया में वह एक शानदार नाम थे। उनकी मौत पर बॉलीवुड के लेखक और गीतकार जावेद अख्तर ने भी दुख जताया।

हिंदी पत्रकारिता के 200 साल : उठते सवाल और गहराता साख का संकट

हिंदी पत्रकारिता के 200 साल : साख गिरी चुनौतियाँ बढ़ीं

प्रमोद शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार, विश्लेषक

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भारत में हिंदी पत्रकारिता की शुरूआत के आज 200 साल वर्ष पूरे हो रहे हैं और इसी लिए इस बार 30 मई खास है। 30 मई 1826 को कलकत्ता (अब कोलकाता) से 'उदन्त मार्तण्ड' नामक समाचार पत्र का प्रकाशन पंडित जुगल किशोर शुक्ल जो कि इसके संपादक और प्रकाशक थे ने शुरू किया था। इसी ऐतिहासिक दिन की याद में हर वर्ष 30 मई को 'हिंदी पत्रकारिता दिवस' मनाया जाता है। हालाँकि बहुत से लोगों को नहीं पता कि 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन की कहानी बेहद संघर्ष वाली थी।

पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने हिंदी भाषी जनता को शिक्षित करने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए इस साप्ताहिक समाचार पत्र की शुरूआत की थी। 'उदन्त मार्तण्ड' का अर्थ 'उगता हुआ सूर्य' या 'समाचार सूर्य' होता है। ब्रिटिश सरकार हिंदी के प्रति उदासीन थी और इस अखबार को डाक दरों में कोई रियायत नहीं देती थी। सरकार या किसी भी विभाग ने इसकी एक भी प्रति नहीं खरीदी। परिणाम :स्वरूप आर्थिक तंगी और पाठकों तक अखबार पहुँचाने में आ रही भारी दिक्कतों के कारण, यह समाचार पत्र केवल 6 महीनों तक चल सका और 4 दिसंबर 1826 को इसे बंद करना पड़ा।

'उदन्त मार्तण्ड' के बंद होने के बाद हिंदी पत्रकारिता का रास्ता खुल गया। वर्ष 1854 में कलकत्ता से ही श्याम सुंदर सेन ने 'समाचार सुधावर्षण' नामक पहला हिंदी दैनिक समाचार पत्र निकाला। इसके बाद भारतेंदु हरिश्चंद्र और राजा राममोहन राय जैसे महान विचारकों ने हिंदी पत्र-पत्रिकाओं के जरिए देश में सामाजिक चेतना और स्वतंत्रता संग्राम की नींव रखी। देश के आजाद होने यानि 15 अगस्त 1947 के बाद उम्मीद थी कि अब प्रेस को फ्रीडम और ताकत मिलेगी लेकिन ऐसा हो न सका। भारत में प्रेस को लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ कहा गया पर असल में इसको संवैधानिक दर्जा नहीं दिया गया। कोई सुरक्षा नहीं, कोई आर्थिक संरक्षण नहीं। 1975 आते आते सरकार ने आपातकाल लगा दिया और प्रेस की आजादी का गला घोंट दिया। उसके बाद धीरे धीरे भारत और राज्य सरकारों ने अपने खिलाफ खबर लिखने वाले अखबारों की गर्दन मरोड़ने का जरिया ही सरकारी विज्ञापनों को बना लिया।

हिन्दी पत्रकारिता की जब बात होती है तो सिर्फ अखबार की नहीं टीवी चैनल की भी बात होती है। 1995 से भारत में प्राईवेट चैनल की शुरूआत हुई। धीरे धीरे इलैक्ट्रोनिक मीडिया का बोलबाला हो गया और अखबार पीछे रह गये। एक समय तो लगा अखबार अब बंद हो जायेंगे। सरकारी नीतियों ने साप्ताहिक और पाक्षिक पत्र पत्रिकाओं को विज्ञापनों कटौती की तो उनकी कमर ही टूट गई। धीरे धीरे ऐसे पत्र पत्रिकाओं का बंद होना शुरु हो गया। दैनिक समाचार पत्र भी धीरे-धीरे बंद होने शुरू हो गये क्योंकि अखबार छापने के लिए महंगी प्रिंटिंग प्रेस लगाना और अत्याधुनिक तरीके से अखबार छापना और पाठक तक पहुँचाना बेहद कठिन और महँगा कार्य हो गया। साल 2000 के बाद धीरे धीरे 2014 के बाद सरकारी नीतियों में बदलाव ने जैसे दैनिक अखबारों की कमर तोड़ दी। अखबार घाटे का सौदा हो गये तो छोटे मंझौले अखबार बंद हो गये और बड़े अखबारों का संचालन बड़े औद्योगिक घरानों के हाथ में आ गया। या कहिए जिन प्रकाशकों के उद्योग धंधे थे वही मीडिया हाउस चला सकने में सक्षम थे।

इस बदलते दौर का नतीजा यह रहा कि कस्बों व ज़िलों से छोटे अखबारों को चलाकर अपना घर चलाने वालों के सामने रोजी रोटी का संकट छा गया। टीवी चैनल भी ज़िले -कस्बों के संवाददाता को मामूली पैसा बतौर मानदेय देते हैं और ऊपर से रेवेन्यू लाने का दवाब अलग। इससे निष्पक्ष पत्रकारिता का नुकसान ही हुआ। चैनल हो या अखबार भारत में कोई ऐसा कानून नहीं कि पत्रकारों की नौकरी पक्की कहीं जाये। जब चाहे संपादक और मालिक एचआर के माध्यम से एक या दो महीने का नोटिस और कभी कभी तो बिना नोटिस के भी नौकरी से निकाल देना आम बात है। आये दिन ऐसी खबरें मीडिया से जुड़ीं साइटों पर पढ़ने को मिलती रहती हैं।

कुछ दिन पहले ही नोएडा में एक टीवी चैनल के चेयरमेन ने जिस तरह एक संपादक को सरे आम बेइज्जत करते हुए कर्मचारियों को न्यूज रूम में ही बोल दिया था आपको संपादक ने रखा है तो उसी से सेलरी ले लो। इसका वीडियो वायरल हुआ तो उस चेयरमैन की बदनामी हुई लेकिन चैनल किसी दूसरे को बिक गया। एक सौ से ज्यादा कर्मचारी सड़क पर आ गये। 2022 में फि ल्म सिटी से चलने वाले मीडिया ग्रुप ने कम से कम 600 कर्मचारियों को मंदी के नाम नौकरी से निकाल दिया था। सबके पास एचआर का फोन आया कि नये इन्फ्रास्ट्रक्चर में आपकी कोई भूमिका नहीं बन रही इसलिए तुरंत इस्तीफा दे दीजिए। दुनिया बदलने का सपना लेकर पत्रकार बने लोग सड़क पर थे और घर कैसे चलेगा, किराया कैसे जायेगा, बच्चे का दूध कैसे आयेगा और ईएमआई कैसे जायेंगी इसकी चिंता में रोने के अलावा कोई रास्ता नहीं दिख रहा था। मालिक तो दोबारा मंदी से उबरकर फिर से तरक़्की के दावे करने लगे पर बेरोजगार पत्रकार की हालत सड़क पर रोज सुबह काम की तलाश में बैठे मजदूर जैसी हो जाती है जिसको मजबूरी में आधे दामों में घर चलाने को नौकरी करनी पड़ती है। अफसोस कि कोई पत्रकार संगठन या सरकार तब किसी की मदद नहीं करते आज भी एक मीडिया ग्रुप के सैंकड़ों पत्रकार अपने बकाया को लेकर मुकदमें लड़ रहे हैं, कई लोग आत्महत्या कर चुके हैं और प्रबंधन के लोग विदेशों में बैठे हैं।

मई माह में ही जब हिन्दी पत्रकारिता 200 वीं सालगिरह मना रही है तब मेरठ से एक खबर आती है कि छँटनी का शिकार हुए पत्रकार राजेश अवस्थी ने सुसाइड कर लिया। उनकी लैश सड़क पर लावारिस पड़ी मिली क्योंकि वे परिवार के लिए कुछ कर नहीं पा रहे थे और मानसिक रूप से परेशान थे। रिटायरमेंट की उम्र के बाद न तो पत्रकारों को कोई पैंशन मिलती है न ही कोई संस्थान आसानी से उनको रिटायर होने देता है। राजेश अवस्थी से पहले भी अनेकों पत्रकारों को भुखमरी या गरीबी से लड़ते देखा है लेकिन किसी संगठन को मदद करते शायद देखा हो। पत्रकार संगठन के लोग सरकारों से तो लाभ उठा लेते हैं पर पत्रकारों के लिए कोई मजबूत सुरक्षा कानून, संरक्षण प्राप्त करने में सफ होते नहीं दिखते। संपादक नाम की संस्था अब कमजोर हो चुकी है और सरकारी दवाब इतना कि आप सरकारी भ्रष्टाचार के खिलाफ कलम चला नहीं सकते ऐसे में पत्रकारिता और पत्रकारों पर सवाल उठना लाजिमी है।

भारत में वर्तमान दौर जब हिन्दी पत्रकारिता के 200 साल पूरे हो रहे हैं तब हम पत्रकारिता क्यों कर रहे हैं ये भूलकर मीडिया हाउसों के हितों को साधने, मालिकों को राज्यसभा पहुँचाने सहित मालिकों के तमाम हित लाभ के लिए ताकत लगाने का ही काम ज्यादा कर रहे हैं। चंद मीडिया के संपादकों ने सरकारी कृपा से अपने मीडिया हाउस खड़े कर लिये लेकिन आम पत्रकार आज भी अपनी समस्याओं से जूझ रहा है। अगर नौकरी चली गई तो फ़्लैट का किराया देना भी मुश्किल हो जाता है। देश में खुले मीडिया की पढ़ाई के संस्थानों से पास आउट बच्चों को 10-15 -20 हजार से ज्यादा की नौकरी नहीं मिलती और वह भी अस्थाई। ऊपर से समाज का दवाब की पत्रकारिता खत्म हो रही है सच्चाई बाहर नहीं आती। सच्चाई यही है कि भारत में हिन्दी पत्रकारिता सबसे असुरक्षित और असंगठित ह्यधंधाह्न या उद्योग है जहां चमक दमक और ताकत दिखती तो है पर वह है चंद लोगों के लिए।

ऐसे में कभी गोदी मीडिया तो कभी दलाल मीडिया कहकर जब बड़े बड़े राजनेता पत्रकारों को कैमरे पर खुलेआम धमकाते नजर आते हैं तो ताज्जुब नहीं होता क्योंकि वह भी जानते हैं उन पत्रकारों के पीछे उनका मालिक या संपादक खड़ा नहीं होगा! क्या हम वाकई लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं या बनना चाहते हैं ? क्या हम कोई मिशन लेकर चल रहे हैं या सिर्फ नौकरी कर रहे हैं, क्या हम सिर्फ सियासत के मोहरे बने रहेंगे या हमको खुलकर बात कहने की आजादी है? सवाल और भी हैं पर जवाब शायद कोई नहीं देना चाहता। बहरहाल खुश होइये कि हम हिन्दी पत्रकारिता के 200 साल पूरा कर रहे हैं पर क्या ये चिंतन का समय है या चिंता का ये सोचिए जरूर !

आपको हिंदी पत्रकारिता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

उतार-चढ़ाव के बाद बाजार में भारी बिकवाली सेंसेक्स 1092 अंक टूटा, निफ्टी धड़ाम

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में आज भारी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 1092 अंक टूटकर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 23,600 के नीचे आ गया। इस गिरावट में निवेशकों के पोर्टफोलियो में करीब पांच लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। भारतीय शेयर बाजार में दिन भर के भारी उतार-चढ़ाव के बाद अंततः बड़ी गिरावट के साथ कारोबार का अंत हुआ है। बाजार में आई इस तेज बिकवाली के चलते निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है और बेंचमार्क सूचकांक लाल निशान में बंद हुए हैं।

निफ्टीः वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी 359.41 अंक यानी 1.50 प्रतिशत टूटकर 23,547.75 के स्तर पर आ गया। इस गिरावट के साथ निफ्टी ने 23,600 और 23,550 दोनों अहम स्तरों के नीचे अपनी क्लोजिंग दी है। बाजार की इस चौतरफा गिरावट का सीधा असर निवेशकों की पूंजी पर पड़ा है। इस तेज बिकवाली के कारण बीएसई पर लिस्टेड सभी कंपनियों के कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन में से लगभग पांच लाख करोड़ रुपये साफ हो गए हैं।

पावर ग्रिड और इंडिगो में भारी गिरावट

इस गिरावट में कई बड़ी कंपनियों के शेयरों में भारी दबाव देखने को मिला। पावर ग्रिड के शेयरों में तेज बिकवाली देखने को मिली और यह लगभग चार प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ एविएशन सेक्टर की प्रमुख कंपनी इंडिगो के शेयरों पर भी दबाव रहा और इसमें तीन प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। शेयर बाजार के लिए आज का कारोबारी सत्र भारी गिरावट वाला रहा।

महंगाई और पश्चिमी एशिया संकट का प्रभाव

केंद्रीय बैंक ने चेतावनी दी है कि पश्चिमी एशिया विवाद 2026 में ग्लोबल विकास दर के लिए सबसे बड़ी रुकावट बनकर उभरा है, जिससे व्यापार और वित्तीय बाजारों के लिए जोखिम पैदा हो रहा है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और सप्लाई चेन में रुकावटों से महंगाई का दबाव बढ़ सकता है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई दर 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो 2025-26 के 2.1 प्रतिशत के मुकाबले काफी अधिक है।

राजकोषीय घाटा और सरकारी नियंत्रण

राजकोषीय मोर्चे पर केंद्र सरकार के लगातार प्रयास सफल होते दिख रहे हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.4 प्रतिशत रहा, जो सरकार के 4.5 प्रतिशत के मीडियम-टर्म लक्ष्य से नीचे है। सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राजकोषीय घाटे का लक्ष्य जीडीपी का 4.3 प्रतिशत रखा है, जो हाल के वर्षों में किए गए राजकोषीय मजबूतीकरण के निरंतर प्रयासों को दशार्ता है।

गाड़ियों के हिसाब से चुन सकेंगे इथेनॉल मिक्स पेट्रोल

नई दिल्ली। सरकार पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों को अपनी गाड़ी के इंजन के अनुसार ई20 से लेकर ए30 तक अलग-अलग मात्रा वाले इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल चुनने का विकल्प देने की योजना बना रही है। हालांकि, उपभोक्ता ज्यादा इथेनॉल से माइलेज कम होने और पुराने इंजनों के रबर-प्लास्टिक पार्ट्स को नुकसान पहुंचने जैसी चिंताओं को लेकर थोड़े असमंजस में हैं।

पेट्रोल पंपों पर करने होंगे कुछ बदलाव

देशभर में मौजूद करीब एक लाख पेट्रोल पंपों पर नई व्यवस्था लागू करने के लिए कुछ जमीनी बदलाव करने होंगे। खुदरा काउंटरों पर अलग-अलग मिश्रण वाला पेट्रोल बेचने के लिए अलग डिस्पेंसिंग नोजल, भूमिगत भंडारण टैंक और ब्लेंडिंग कंट्रोल सिस्टम लगाने होंगे। जानकारों के मुताबिक, यह बदलाव ज्यादा खचीर्ला या जटिल नहीं होगा। मौजूदा डिस्पेंसिंग सिस्टम (जिसमें अभी प्रीमियम, रेगुलर और डीजल के नोजल होते हैं) का ही विस्तार किया जा सकता है। पेट्रोल पंपों पर लगी मशीनों पर स्पष्ट अक्षरों में लिखना होगा कि वहां मिश्रित पेट्रोल का कौन सा वेरिएंट बिक रहा है, ताकि ग्राहक भ्रमित न हों। वेरिएंट के दाम भी अलग-अलग दिखाने होंगे।

रोचक तथ्यों का करंट

- दो केलों में 90 मिनट तक कड़े व्यायाम करने के लिए ऊर्जा होती है। केले को खुशी देने वाला फल भी कहा जाता है।
- जो लोग जल्दी शरमा जाते हैं वे अधिक दयालु और विश्वसनीय होते हैं।
- आप जिनसे प्यार करते हैं उनके बगल में सोने से न केवल अवसाद में कमी आती है बल्कि आपकी उम्र भी बढती है। आपको नींद जल्दी आती है और आप गहरी नींद में सोते हैं।
- हमारे दिमाग में अच्छी यादों से ज्यादा बुरी यादों को याद रखने की क्षमता होती है।
- बाएं हाथ से काम करने वाले लोग दांए हाथ से काम करने वाले लोगों की तुलना में कम्प्यूटर गेम्स और खेलों में ज्यादा तेजी से काम करते हैं।
- सिर्फ एक घंटे तक भी अगर हेडफोन का इस्तेमाल कर लिया जाए तो आपके कानों में बैक्टीरिया 700 गुना ज्यादा बढ जाते हैं।
- अगर आप मदद के लिए पुकार रहे हैं तो कुछ लोगों को खासतौर पर चुनिए जैसे आप जिन्होंने लाल शर्ट पहनी है। इससे उन लोगों को जिम्मेदारी का एहसास होगा और आपको मदद मिलने की संभावना बढ जाएगी।

राशिफल

मेष: अपका ध्यान धार्मिक कार्यों में लगा रहेगा। लंबे समय से चली आ रही घरेलू परेशानियों का समाधान निकलेगा।

वृष: किसी बड़ी कम्पनी से डील फिक्स हो सकती है। समय-समय पर मेलबॉक्स चेक करते रहें क्योंकि किसी भी समय कोई जरूरी मैसेज आ सकता हैं।

मिथुन: आप कोई नया काम शुरू करने की योजना बनाएंगे जिससे आगे चलकर आपको आर्थिक लाभ होगा। उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलेगा।

कर्क: आप व्यवहारिक होकर अपने चिड़चिड़ेपन को दूर करने की कोशिश करें। उन लोगों से दूर रहने की जरूरत है जो ओवर रिएक्ट करते हैं।

सिंह: आज कामकाज में मन लगा रहेगा। कार्यक्षेत्र में परफॉरमेंस अच्छी होने से ऑफिस में आपकी अलग पहचान बनेगी।

कन्या: जीवनसाथी से कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी। व्यक्तित्व प्रतिभाशाली रहेगा जो विरोधियों के सामने पहाड़ बनकर खड़ा नजर आएगा।

तुला: आपका ध्यान पुराने कार्यों को पूरा करने में अधिक लगा रहेगा। व्यापार बढ़ाने को लेकर कोई शानदार योजना बनाएंगे जिसमें भाई का सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक: महिलाएं आपना घरेलू काम समय से पहले पूरा कर लेंगी। इस राशि के नवविवाहितअपने साथी को कोई उपहार देंगे।

धनु: कारोबार में आप एक लय बनाकर काम करें, समय की बचत होगी। अपने ज्ञान के दायरे को बढ़ाने की कोशिश करेंगे, जिसमें आपको सफलता हासिल होगी।

मकर: आज ऑफिस के कार्यों में आपकी परफॉरमेंस सराहनीय रहेगी। साथ ही बॉस आपकी तारिफ करेंगे। आ रही रुकावटों से आप थोड़े परेशान हो सकते हैं।

कुंभ: सौंदर्य प्रसाधन का व्यापार कर रहे लोगों को आज अच्छा मुनाफा होने वाला है। आज आपको आय के नए रास्ते मिलेंगे।

मीन: छात्र आपने करीयर में सफलता के बेहद करीब रहेंगे। महिलाएं किट्टी पार्टी में जाएंगी। जीवनसाथी के साथ मीठी नोक-झोंक होगी।

चुटकुले

डॉक्टर- कल रात को क्या खाया था?
लड़का- बर्गर, पिज्जा और कोक...
डॉक्टर- देखो यह फेसबुक नहीं है सच बताओ....
लड़का- जी लौकी....

एक मच्छर परेशान होकर बैठा था, तभी दूसरे मच्छर ने पूछा...क्या हुआ?
पहला मच्छर- कुछ नहीं यार सोच रहा हूं कि चूहेदानी में चूहा... साबुन दानी में साबुन...
ये गजब ही है कि मच्छरदानी में आदमी सो रहा है।

पत्नी- तुम शराब में बहुत पैसे बरबाद करते हो, अब बंद करो
पप्पू- और तुम ब्यूटी पार्लर में 5000 का कबाड़ा करके आती हो उसका क्या
पत्नी- वो तो मैं तुम्हें सुंदर लगूं इसलिए...
पप्पू- पगली तो में भी तो इसलिये पीता हूं कि तू मुझे सुंदर लगे।

30 05 2026 करंट क्राइम

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

परेश रावल
अभिनेता

वेदांशी भाटी

अरवी

हेमा त्यागी

आकाश गर्ग

अमित कुमार

एसके महरोलिया

प्रमोद कुमार

पुनीत शर्मा

रिंकू पहलवान

सौरभ धामा

विपिन शर्मा

चिराग त्यागी

गोपाल शिशौदिया

सौरभ अग्रवाल

नौशाद अली सैफी

अश्वनी कर्दम

अरूण शर्मा

वैभव गौतम

विनय कुमार राणा

नरेश गौतम

सुमित पांचाल

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव,
विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार) 8630290003 (विष्णु गुप्ता)

96 साल में केवल 15 फुटबॉलर ही कर पाए ये 'डबल' पूरा

मेसी-डि मारिया लिस्ट में, पर रोनाल्डो चूके

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप और ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतना हर फुटबॉलर का सपना होता है, लेकिन 96 साल के इतिहास में सिर्फ 15 खिलाड़ी ही यह अनोखा ह्यडबलह्ल हासिल कर सके हैं। इनमें अर्जेंटीना के लियोनल मेसी और एंजेल डि मारिया ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने पिछले 81 साल में यह उपलब्धि हासिल की।

वैश्विक फुटबॉल में क्लब फुटबॉल को सबसे ज्यादा महत्व दिया जाता है, लेकिन अपने देश के लिए फीफा विश्व कप और ओलंपिक जैसे बड़े टूर्नामेंट खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है। इन दोनों प्रतियोगिताओं में सफलता हासिल करना बेहद मुश्किल माना जाता है और विश्व कप ट्रॉफी के साथ ओलंपिक स्वर्ण जीतना तो और भी दुर्लभ उपलब्धि है।

96 साल में सिर्फ 15 खिलाड़ी बना सके इतिहास

साल 1930 में पहले फीफा विश्व कप का आयोजन हुआ था। तब से अब तक अनुमानित तौर पर 7,016 फुटबॉलर विश्व कप में कम से कम एक मुकाबला खेल चुके हैं। हालांकि, इनमें से सिर्फ 15 खिलाड़ी ही ऐसे रहे हैं, जिन्होंने फीफा विश्व कप जीतने के साथ ओलंपिक में स्वर्ण पदक भी अपने नाम किया है। यह अनोखा रिकॉर्ड सिर्फ तीन देशों के खिलाड़ियों के नाम दर्ज है। इनमें अर्जेंटीना, इटली और उरुग्वे शामिल हैं।

पिछले 81 साल में सिर्फ मेसी और डि मारिया

इस सूची में सबसे खास नाम लियोनल मेसी और एंजेल डि मारिया का है। दोनों खिलाड़ियों ने अर्जेंटीना को 2022 फीफा विश्व कप जिताया था और इससे पहले 2008 बीजिंग ओलंपिक में स्वर्ण पदक भी जीता था। दूसरे विश्व युद्ध के बाद पिछले 81 साल में यह उपलब्धि हासिल करने वाले यही दो खिलाड़ी हैं।

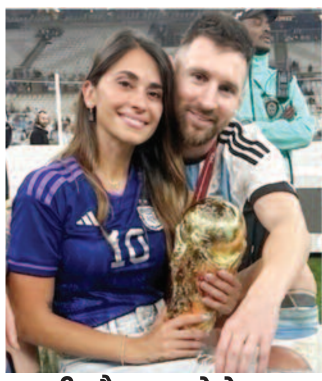

इटली और उरुग्वे के खिलाड़ियों ने भी बनाया रिकॉर्ड

इटली के सर्गियो बतोर्नी, अल्फ्रेडो फोनी, उगो लोकातेली और पिएत्रो रावा ने 1936 बर्लिन ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद 1938 फीफा विश्व कप भी अपने नाम किया था। वहीं उरुग्वे के नौ खिलाड़ियों ने 1924 और 1928 ओलंपिक में गोल्ड जीतने के बाद 1930 में पहला फीफा विश्व कप भी जीता था। इनमें जोस लियांद्रो आंद्रादे, हेक्टर कास्त्रो, पेड्रो सिए और हेक्टर स्कारोन जैसे नाम शामिल हैं।

2026 विश्व कप पर रहेंगी नजरें

अब फीफा विश्व कप 2026 अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की मेजबानी में 11 जून से 19 जुलाई तक खेला जाएगा। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या कोई और खिलाड़ी इस खास सूची में अपनी जगह बना पाता है या नहीं।

कौन-कौन जीता है विश्वकप ट्रॉफी के साथ ओलंपिक स्वर्ण

अर्जेंटीना के खिलाड़ी : एंजेल डि मारिया और लियोनल मेसी, विश्वकप चैंपियन (कतर, 2022), ओलंपिक स्वर्ण (बीजिंग, 2008)

इटली के खिलाड़ी : सर्गियो बतोर्नी, अल्फ्रेडो फोनी, उगो लोकातेली और पिएत्रो रावा, विश्वकप चैंपियन (फ्रांस, 1938), ओलंपिक स्वर्ण (बर्लिन, 1936)

उरुग्वे के खिलाड़ी : जोस लियांद्रो आंद्रादे, हेक्टर कास्त्रो, पेड्रो सिए, लोरेंजो फर्नांडीज, अल्वारो गेस्तिदो, जोस नासाजी, पेड्रो पेट्रोन, हेक्टर स्कारोन, सांतोस उरदिनारन, विश्वकप चैंपियन (उरुग्वे, 1930), ओलंपिक स्वर्ण- (पेरिस, 2008 और एम्सटर्डम, 1928)

अंबाती रायुडू नहीं चाहते CSK करे यह ट्रेड, पांड्या से ऑक्शन में उतरने को कहा

मुंबई। हार्दिक पांड्या के मुंबई इंडियंस छोड़ने और उरङ में ट्रेड होने की चर्चाओं के बीच अंबाती रायुडू ने बड़ा बयान दिया है। रायुडू ने कहा कि उरङ को ऋतुराज गायकवाड़ और आयुष म्हात्रे जैसे खिलाड़ियों को किसी भी ट्रेड में नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने हार्दिक को ऑक्शन के जरिए टीम में लाने की सलाह दी।

आईपीएल 2026 अपने अंजाम तक पहुंचने वाला है। क्वालिफायर-2 और फाइनल मुकाबला खेला जाना है। आईपीएल की चार बड़ी टीमों में से तीन प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पाईं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने फाइनल में जगह बना ली है। वहीं, चेन्नई सुपर किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस लीग स्टेज से ही बाहर हो गईं। हार्दिक की कप्तानी में मुंबई की टीम लगातार तीसरे सीजन में खिताब नहीं जीत पाई। अब सोशल मीडिया पर चर्चा इस बात की है कि हार्दिक मुंबई फ्रेंचाइजी का साथ छोड़ सकते हैं। उनके हालिया पोस्ट ने इन अटकलों को और बढ़ावा दिया। सोशल मीडिया पर फैंस इस बात का दावा कर रहे हैं कि हार्दिक को मुंबई से ट्रेड किया जा सकता है। हालांकि, सीएसके के पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू नहीं चाहते कि मौजूदा सीएसके का कोई खिलाड़ी हार्दिक के लिए ट्रेड हो।

ट्रेड डील की बात चल रही?

ईएसपीएन क्रिकेइनफो से बातचीत के दौरान अंबाती रायुडू से जब कहा गया कि हार्दिक के पोस्ट के बाद सीएसके और एमआई में ट्रेड डील की बात चल रही है। हार्दिक सीएसके में आ सकते हैं और सीएसके ऋतुराज गायकवाड़ और आयुष म्हात्रे से उन्हें ट्रेड कर सकती है। यानी सीएसके से ऋतुराज और आयुष मुंबई में जाएंगे और मुंबई से हार्दिक सीएसके में आएंगे।

ट्रेड डील में या तो खिलाड़ी एक्सचेंज कर सकते हैं या फिर ऑल कैश से डील कर सकते हैं।

वैभव सूर्यवंशी को देख चौंक गया पाकिस्तान

यूसुफ ने की अफरीदी से तुलना तो भड़के फैंस, कामरान-बासित ने क्या कहा

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक बल्लेबाजी ने पाकिस्तान को भी हैरान कर दिया है। मोहम्मद यूसुफ ने उनकी तुलना शाहिद अफरीदी से की, जिस पर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। वहीं, कामरान अकमल और बासित अली ने वैभव को भविष्य का 'यूनिवर्स बॉस' तक बता दिया।

आईपीएल 2026 में किसी एक खिलाड़ी, जिसने सबसे ज्यादा तहलका मचाया है, वह खिलाड़ी है वैभव सूर्यवंशी। 15 साल के राजस्थान रॉयल्स के इस बल्लेबाज ने अपने दम पर टीम को क्वालिफायर-2 तक पहुंचाया है। लगभग हर मैच में उनके बल्ले से रन निकले हैं और स्ट्राइक रेट का तो क्या ही कहना। वैभव की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी देख पाकिस्तान भी चौंक गया है। इस 15 साल के विस्फोटक बल्लेबाज को लेकर पाकिस्तान से भी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज और रन मशीन के नाम से मशहूर मोहम्मद यूसुफ ने वैभव की तुलना शाहिद अफरीदी से की तो फैंस भड़क गए और कहा कि अफरीदी भी वैभव के सामने कुछ नहीं हैं। वहीं, कामरान अकमल और बासित अली भी वैभव की बल्लेबाजी देख चौंक गए हैं।

सूर्यवंशी की तुलना शाहिद अफरीदी से!

वैभव सूर्यवंशी की तुलना लगातार क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ियों से हो रही है। कई विशेषज्ञ उन्हें डॉन ब्रैडमैन और सचिन तेंदुलकर जैसे महान खिलाड़ियों के साथ जोड़कर देख रहे हैं। इसी बीच पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद यूसुफ ने सूर्यवंशी की तुलना पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी से की है। यूसुफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की। उन्होंने लिखा, '15 साल के क्रिकेट सनसनी वैभव सूर्यवंशी मुझे युवा शाहिद अफरीदी की याद दिलाते हैं। निडर, विस्फोटक और ऊर्जा से भरपूर। क्रिकेट का भविष्य आ चुका है!'

राजस्थान के इन पांच खिलाड़ियों से रहना होगा सावधान

गुजरात के लिए कहीं बन न जाएं हार की वजह

मुल्लांपुर। आईपीएल 2026 का क्वालिफायर-2 आज शाम मुल्लांपुर में गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला जाएगा। इस मैच में गुजरात को राजस्थान के पांच खिलाड़ियों से सावधान रहना होगा, जिन्होंने एलिमिनेटर में सनराइजर्स हैदराबाद की धज्जियां उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी।

आईपीएल 2026 का दूसरा क्वालिफायर शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस के बीच खेला जाएगा। एलिमिनेटर मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के बाद राजस्थान की टीम पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगी। टीम के कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं, जो गुजरात के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द साबित हो सकते हैं।

वैभव सूर्यवंशी

राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एलिमिनेटर मुकाबले में विस्फोटक बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया। उन्होंने महज 29 गेंदों में 97 रन ठोककर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया था। वैभव अगर दूसरे क्वालीफायर में भी शुरूआती ओवरों में टिक गए, तो गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों के लिए उन्हें रोकना बेहद मुश्किल हो सकता है।

यशस्वी जायसवाल

सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इस सीजन लगातार शानदार फॉर्म में नजर आए हैं। एलिमिनेटर मैच में उन्होंने वैभव के साथ मिलकर टीम को मजबूत शुरूआत दी थी। जायसवाल इस सीजन 15 मैचों में 153 के स्ट्राइक रेट से 426 रन बना चुके हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी किसी भी समय मैच का पासा पलट सकती है।

जोफ्रा आर्चर

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर राजस्थान रॉयल्स की गेंदबाजी आक्रमण की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरे हैं। आर्चर इस सीजन 15 मुकाबलों में 24 विकेट हासिल कर चुके हैं। एलिमिनेटर मैच में भी उन्होंने तीन अहम विकेट लेकर टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाई थी। खास बात यह है कि आर्चर निचले क्रम में तेजी से रन बनाने की क्षमता भी रखते हैं।

ध्रुव जुरेल

युवा बल्लेबाज ध्रुव जुरेल इस सीजन राजस्थान के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने कई बार टीम को मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकाला है। एलिमिनेटर मुकाबले में जुरेल ने सिर्फ 21 गेंदों में अर्धशतक जड़कर विपक्षी टीम पर दबाव बना दिया था। गुजरात के गेंदबाजों को उनसे खास सतर्क रहने की जरूरत होगी।

रियान पराग

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग भले ही इस सीजन बल्ले से बहुत बड़ी पारियां नहीं खेल पाए हों, लेकिन उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी मैच का रुख बदलने का दम रखती है। नंबर चार पर बल्लेबाजी करते हुए पराग ने 13 पारियों में 156 के स्ट्राइक रेट से 298 रन बनाए हैं। अगर वह क्रीज पर जम गए, तो गुजरात के गेंदबाजों के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

मुकाबले पर रहेगी सबकी नजर

राजस्थान रॉयल्स की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही विभाग संतुलित नजर आ रहे हैं। ऐसे में गुजरात टाइटंस को फाइनल में जगह बनाने के लिए इन खिलाड़ियों के खिलाफ खास रणनीति तैयार करनी होगी। क्रिकेट फैंस को इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में रोमांचक टक्कर देखने को मिल सकती है।

अर्जेंटीना की टीम घोषित, लियोनेल मेसी होंगे कप्तान

क्या अपने देश को दिला पाएंगे लगातार दूसरा खिताब

ब्यूनस आयर्स। फीफा विश्व कप 2026 के लिए अर्जेंटीना ने अपनी 26 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। मौजूदा चैंपियन टीम की कप्तानी एक बार फिर लियोनेल मेसी करेंगे, जो अपने करियर का छठा विश्व कप खेलने जा रहे हैं। कोच लियोनेल स्कालोनी ने 2022 विश्व कप जीतने वाली टीम के अधिकतर खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है, वहीं कुछ युवा चेहरों को भी मौका दिया गया है।

लियोनल मेसी के फैंस के लिए खुशखबरी है। आधिकारिक तौर पर इसका एलान हो चुका है कि मेसी इस साल फीफा विश्व कप में खेलते दिखेंगे। दरअसल, मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए अपनी अंतिम 26 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया है। टीम की अगुआई एक बार फिर महान फुटबॉलर मेसी करेंगे। वह अपने करियर का छठा विश्व कप खेलने जा रहे हैं। अमेरिका, कनाडा और

मैक्सिको में होने वाले इस टूर्नामेंट में अर्जेंटीना लगातार दूसरा खिताब जीतने के इरादे से उतरेगा।

मेसी रचेंगे नया इतिहास

हाल ही में 38 वर्षीय मेसी को इंटर मियामी के लिए खेलने के दौरान चोट लगी थी। इसके बाद इंटर मियामी ने कहा था कि उन्हें हैमस्ट्रिंग की समस्या है। ऐसे में फैंस परेशान थे कि यह महान फुटबॉलर विश्वकप में हिस्सा लेगा या नहीं। पर अर्जेंटीना ने शुक्रवार को मेसी के खेलने पर मुहर लगा दी। मेसी पहले ही अर्जेंटीना और दुनिया के सबसे सफल खिलाड़ियों में गिने जाते हैं और अब वह छठा विश्व कप खेलने वाले दुनिया के चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो जाएंगे।

2022 विश्व कप विजेता टीम का मजबूत कोर बरकरार

अर्जेंटीना की टीम में 2022 विश्व कप जीतने वाले 17 खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज, डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी और मिडफील्डर रोड्रीगो डी पॉल और एलेक्सिस मैक एलिस्टर जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इसके अलावा एंजो फर्नांडेज, जूलियन अल्वारेज और लौटारो मार्टिनेज भी टीम की ताकत बढ़ाएंगे। हालांकि टीम में कुछ बड़े नाम नजर नहीं आएंगे। अनुभवी विंगर एंजेल डी मारिया ने 2024 कोपा अमेरिका के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लिया था, जबकि मार्कोस अकुना फिटनेस कारणों से चयन नहीं पा सके।

आईपीएल में स्मार्ट ग्लासेस पर सख्ती!

BCCI ने क्यों लागू किए नए सुरक्षा नियम

मुंबई। आईपीएल 2026 में बीसीसीआई ने सुरक्षा नियमों को और सख्त कर दिया है। अब खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को मैच के दिन स्मार्ट ग्लासेस और अन्य कम्युनिकेशन डिवाइस जमा कराने होंगे। एसीएसयू का मानना है कि ये डिवाइस मैच के दौरान सुरक्षा और गोपनीयता के लिए खतरा बन सकते हैं।

बीसीसीआई की एंटी-करप्शन एंड सिक्योरिटी यूनिट (अउरव) ने आईपीएल 2026 के दौरान खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए नए सुरक्षा नियम लागू किए हैं। नए निदेर्शों के तहत मैच के दिन स्मार्ट ग्लासेस और अन्य एडवांस्ड आईवियर के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

स्मार्ट ग्लासेस को लेकर बढ़ी चिंता

एसीएसयू के मुताबिक, हाल के दिनों में कई टेक्नोलॉजी कंपनियां आईपीएल खिलाड़ियों और फ्रेंचाइजी

स्टाफ को स्मार्ट सनग्लासेस और स्मार्ट गॉगल्स बेच रही थीं। देखने में ये सामान्य चश्मों जैसे लगते हैं, लेकिन इनमें कई एडवांस फीचर्स मौजूद होते हैं। इन डिवाइस के जरिए वीडियो रिकॉर्डिंग, लाइव स्ट्रीमिंग, टेक्स्ट मैसेज भेजना और प्राप्त करना, ऑडियो-वीडियो कॉल करना और इंटरनेट कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं संभव हैं। इसी वजह से एसीएसयू ने इन्हें कम्युनिकेशन और ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग उपकरण की श्रेणी में रखा है।

मैच वाले दिन लागू रहेंगे नए नियम

नए नियमों के तहत मैच वाले दिन प्लेयर एंड मैच ऑफिशियल्स एरिया (ढटडअ) में स्मार्ट ग्लासेस रखने या इस्तेमाल करने पर पूरी तरह रोक रहेगी। यह प्रतिबंध ड्रेसिंग रूम, डगआउट और खिलाड़ियों के व्यूइंग एरिया समेत सभी हाई-सिक्योरिटी जोन में लागू रहेगा। एसीएसयू का मानना है कि इन डिवाइस का इस्तेमाल रियल टाइम में जानकारी साझा करने या सुरक्षा में सेंध लगाने के लिए किया जा सकता है। इसी वजह से इन्हें अन्य प्रतिबंधित इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की तरह माना जाएगा। नए दिशा-निदेर्शों के अनुसार, खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को स्टेडियम पहुंचते ही अपने स्मार्ट ग्लासेस सिक्योरिटी लायजन ऑफिसर (रछड) के पास जमा कराने होंगे। मोबाइल फोन, स्मार्टवॉच और अन्य कम्युनिकेशन डिवाइस की तरह इन्हें भी प्रतिबंधित क्षेत्र में ले जाने की अनुमति नहीं होगी। बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि इन नियमों का पालन अनिवार्य होगा। अगर कोई खिलाड़ी या स्टाफ सदस्य पीएमओए के अंदर स्मार्ट ग्लासेस के साथ पाया जाता है, तो इसे नियमों का उल्लंघन माना जाएगा।

बोर्ड ने चेतावनी दी है कि नियमों का पालन नहीं करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई और व्यक्तिगत जुर्माना लगाया जा सकता है। आईपीएल 2026 के 'मिनिमम स्टैंडर्ड्स' नियमों के तहत सजा तय की जाएगी। आईपीएल 2026 में कुछ घटनाओं ने भी बीसीसीआई की चिंता बढ़ाई है।

दो सेट जीतने के बाद भी हार गए यानिक सिनर

नई दिल्ली। फ्रेंच ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जब विश्व नंबर-1 यानिक सिनर दो सेट की बढ़त के बावजूद अर्जेंटीना के जुआन मैनुअल सेरुंडोलो से हारकर दूसरे दौर से बाहर हो गए। भीषण गर्मी और फिटनेस समस्याओं से जूझते सिनर मैच के दौरान पूरी तरह लड़खड़ा गए, जबकि सेरुंडोलो ने शानदार वापसी कर करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। फ्रेंच ओपन 2026 में गुरुवारको टूनार्मेंट का सबसे बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जब विश्व नंबर-1 यानिक सिनर को अर्जेंटीना के गैर-वरीय खिलाड़ी जुआन मैनुअल सेरुंडोलो ने पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में हराकर बाहर का रास्ता दिखा दिया। भीषण गर्मी में खेले गए इस मुकाबले में सिनर शारीरिक रूप से पूरी तरह जूझते नजर आए और शुरूआती बढ़त के बावजूद मैच गंवा बैठे।इस मुकाबले में सिनर ने शुरूआती दो सेटों में शानदार खेल दिखाते हुए मैच पर पूरी पकड़ बना ली थी।

एमआई छोड़ने जा रहे हार्दिक! मानसिक तनाव, असहयोग या फिर खराब नतीजे

तीन साल बाद राहें अलग होने की असली वजह क्या

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में खराब प्रदर्शन और लगातार दबाव के बाद हार्दिक पांड्या के मुंबई इंडियंस छोड़ने की खबरें सामने आई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक हार्दिक मानसिक रूप से थके हुए थे और उन्होंने सीजन के बीच में ही फ्रेंचाइजी प्रबंधन को अपने फैसले की जानकारी दे दी थी। अब सवाल यह है कि मुंबई इंडियंस का अगला कप्तान कौन होगा।

आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद हार्दिक पांड्या से इस फ्रेंचाइजी के रिश्तों को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के रिपोर्ट के मुताबिक, हार्दिक पांड्या अगले सीजन में मुंबई इंडियंस का हिस्सा नहीं रहना चाहते और उन्होंने यह फैसला सीजन के बीच में ही टीम प्रबंधन को बता दिया था।

बीच सीजन यानी आईपीएल 2026 के 44वें मैच और मुंबई के चेन्नई के खिलाफ इस सीजन दूसरे मैच के बाद हार्दिक अचानक टीम से गायब हो गए थे। न ही वह टीम के साथ यात्रा करते दिखे और न ही टीम के

साथ डग आउट में दिखे थे। तब एमआई ने बताया था कि उनको चोट लगी है और इसी वजह से नहीं खेल रहे हैं। हालांकि, अब यह बात भी सामने आ रही है कि हार्दिक और एमआई के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है।

फैंस की हूटिंग भी बनी वजह

हालांकि, कप्तानी परिवर्तन के बाद से उन्हें लगातार आलोचना और फैंस की हूटिंग का सामना करना पड़ा। सूत्र ने बताया, 'यह समझना जरूरी है कि हार्दिक अभी सिर्फ 32 साल के हैं। वह 2024 में 30 साल की उम्र में मुंबई इंडियंस में लौटे थे। पहले ही सीजन में उन्हें हूटिंग का सामना करना पड़ा और इस बार भी चीजें योजना के मुताबिक नहीं रहीं।' यह बयान उस कप्तानी बदलाव के संदर्भ में आया, जिसमें बेहद लोकप्रिय रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाया गया था।

पिछले दो सीजन में मुंबई इंडियंस के फैंस ने कई मैचों के दौरान हार्दिक पांड्या की लगातार हूटिंग की। हालांकि, इस दौरान वह इससे प्रभावित नजर आए, लेकिन उन्होंने हमेशा यही कहा कि 'यह सफर मुश्किल जरूर रहा, लेकिन दिलचस्प भी था।' आईपीएल सूत्र के मुताबिक, अब हार्दिक का धैर्य जवाब दे चुका है।

तीन सीजन मुश्किलों में बीते

पिछले तीन सीजन में मुंबई का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। टीम पिछले सीजन प्लेऑफ में जरूर पहुंची, लेकिन क्वालिफायर-2 में पंजाब से हारकर बाहर हो गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, हार्दिक को उम्मीद थी कि टीम में सभी खिलाड़ी एक दिशा में काम करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। सूत्र ने बताया, 'मुंबई इंडियंस का ड्रेसिंग रूम वैसा नहीं था, जैसा हार्दिक 2021 में छोड़कर गए थे। हर सीनियर खिलाड़ी एक राय पर नहीं था। अगर नतीजे अच्छे आते तो शायद निराशा इतनी ज्यादा नहीं होती, लेकिन जब हर कोई अलग दिशा में सोचने लगे तो मानसिक दबाव बढ़ जाता है। इसी वजह से हार्दिक ने तय कर लिया था कि वह अगले सीजन में मुंबई इंडियंस का हिस्सा नहीं होंगे।'

अगर हार्दिक किसी नई टीम में जाना चाहते हैं तो चेन्नई सुपर किंग्स उनके लिए बेहतर विकल्प हो सकती है। हालांकि, इसको लेकर अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। सोशल मीडिया पर जरूर इस बात के कयास हैं कि सीएसके ऋतुराज गायकवाड़ और आयुष म्हात्रे से हार्दिक को ट्रेड कर सकती है। चचाएं शिवम दुबे और म्हात्रे को लेकर भी हैं। अब देखना होगा कि आगे क्या होता है।

मुंबई इंडियंस का अगला कप्तान कौन?

अगर हार्दिक मुंबई इंडियंस छोड़ते हैं, तो टीम को नए कप्तान की तलाश करनी होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रेंचाइजी के सामने दो विकल्प हो सकते हैं। पहला विकल्प है कि अनुभवी रोहित शर्मा को एक बार फिर कप्तानी सौंपी जाए। रोहित ने मुंबई इंडियंस को पांच आईपीएल खिताब दिलाए हैं और वह अभी भी टीम के सबसे बड़े खिलाड़ियों में शामिल हैं। दूसरा विकल्प युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को भविष्य के कप्तान के तौर पर तैयार करना हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया कि मुंबई इंडियंस लंबे समय के लिए तिलक वर्मा पर भरोसा जता सकती है और नई टीम तैयार कर सकती है। अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी होंगी कि आने वाले महीनों में हार्दिक पांड्या का अगला कदम क्या होगा।

विनेश को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

एशियाड के ट्रायल्स में भाग लेने की दी इजाजत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पहलवान विनेश फोगाट को एशियन गेम्स 2026 के चयन ट्रायल्स में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी है। ट्रायल्स 30 और 31 मई को आयोजित होने हैं। कोर्ट ने कहा कि इस चरण पर विनेश को वापस भेजना उचित नहीं होगा। मामले की अगली सुनवाई अगले सप्ताह होगी।

भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को एशियन गेम्स 2026 चयन ट्रायल्स में हिस्सा लेने की अनुमति मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को यह राहत दी। इससे पहले भारतीय कुश्ती संघ ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें विनेश फोगाट को ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने दी राहत

सुप्रीम कोर्ट की पीठ, जिसमें जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस आलोक आराधे शामिल थे, ने मामले की सुनवाई करते हुए विनेश फोगाट के पक्ष में फैसला सुनाया। अदालत ने कहा कि इस स्तर पर उन्हें ट्रायल्स से बाहर करना उचित नहीं होगा। पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा, 'अगर यह कोई और खिलाड़ी होती तो मामला अलग हो सकता था। उन्होंने देश का नाम रोशन किया है।' डब्ल्यूएफआई की ओर से पेश वकील को संबोधित करते हुए अदालत ने आगे कहा, 'आज इस स्तर पर, जब हाई कोर्ट आदेश दे चुका है, उम्मीदें और अपेक्षाएं बढ़ चुकी हैं। अब उन्हें यह कह देना कि वापस घर जाइए क्योंकि हम कुछ नहीं कर सकते, यह उचित नहीं होगा। हम आपको यह बहुत स्पष्ट रूप से कह रहे हैं।'

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

सुनवाई के दौरान पीठ ने हत्रक्ककी ओर से पेश वकील से कहा, 'आज इस स्तर पर, जब हाई कोर्ट आदेश दे चुका है, उम्मीदें और अपेक्षाएं बढ़ चुकी हैं। अब उन्हें यह कह देना कि वापस घर जाइए और हम कुछ नहीं कर सकते, यह उचित नहीं होगा। हम आपको यह बहुत स्पष्ट रूप से कह रहे हैं।' कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद विनेश फोगाट के ट्रायल्स में हिस्सा लेने का रास्ता साफ हो गया।

जीडीए की पहल से राजनगर एक्सटेंशन में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की परियोजना को मिली गति

शासन को भेजा गया प्रस्ताव

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा जनपद को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर स्थापित करने के उद्देश्य से राजनगर एक्सटेंशन क्षेत्र में विश्वस्तरीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के विकास की महत्वाकांक्षी पहल की गई है। इसी क्रम में प्राधिकरण द्वारा विस्तृत परीक्षण एवं विचार-विमर्श के उपरांत परियोजना का प्रस्ताव शासन को अनुमोदन हेतु प्रेषित किया गया है।

प्राधिकरण द्वारा इस परियोजना की आवश्यकता, व्यवहार्यता एवं जनपद के दीर्घकालिक विकास पर पड़ने वाले प्रभावों का व्यापक अध्ययन कराया गया। परीक्षण में यह तथ्य सामने आया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वर्तमान समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट स्टेडियम उपलब्ध नहीं है, जबकि गाजियाबाद की भौगोलिक स्थिति, उत्कृष्ट कनेक्टिविटी एवं तेजी से विकसित हो रहा शहरी स्वरूप ऐसी परियोजना के लिए अत्यंत उपयुक्त है। उपाध्यक्ष महोदय के निर्देशन में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (वढउअ) के साथ कई दौर की बैठकें एवं विचार-विमर्श आयोजित किए। प्राधिकरण के प्रयासों के परिणामस्वरूप यूपीसीए द्वारा भी इस परियोजना को संयुक्त उपक्रम मॉडल के माध्यम से विकसित करने के प्रति सिद्धांततः सहमति प्रदान की गई।

इसके उपरांत प्राधिकरण द्वारा विषय को अपने बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहाँ परियोजना के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श के बाद आवश्यक संस्तुतियाँ प्रदान की गईं। बोर्ड की संस्तुति के आधार पर परियोजना का प्रस्ताव शासन को अनुमोदन हेतु प्रेषित किया गया है।

प्रस्तावित परियोजना के अंतर्गत राजनगर एक्सटेंशन क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप क्रिकेट स्टेडियम, क्रिकेट अकादमी, प्रशिक्षण केंद्र, फिटनेस एवं स्पोर्ट्स साइंस सुविधाओं का विकास किया जाना प्रस्तावित है।

परियोजना को गाजियाबाद विकास प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के मध्य संयुक्त उपक्रम मॉडल पर विकसित किए जाने का प्रस्ताव है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण का मानना है कि इस परियोजना के साकार होने से जनपद को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान प्राप्त होगी। साथ ही पर्यटन, होटल, परिवहन, व्यापार एवं सेवा क्षेत्र में निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। यह परियोजना प्रदेश में खेल अवसंरचना के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सिद्ध होगी।

पड़ोसी युवक पर किशोरी को कोल्ड ड्रिंक में जहर देने का आरोप

हापुड़, करंट क्राइम। हाजीपुर गांव में 15 वर्षीय निति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। भाई ने पड़ोसी विवेक पर कोल्ड ड्रिंक में जहरीला पदार्थ मिलाकर पिलाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हापुड़ के सिंभावली थाना क्षेत्र के गांव हाजीपुर में एक किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने का मामला सामने आया है। मृतका के भाई ने पड़ोसी युवक पर कोल्ड ड्रिंक में जहरीला पदार्थ मिलाकर पिलाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव हाजीपुर निवासी कुनाल ने थाने में दी तहरीर में बताया कि उसकी 15 वर्षीय बहन निति को पड़ोस में रहने वाले युवक विवेक ने 21 मई 2026 को कोल्ड ड्रिंक पीने के लिए दी थी। आरोप है कि कोल्ड ड्रिंक पीने के कुछ देर बाद ही निति की तबीयत बिगड़ गई। परिजन उसे उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां हालत में सुधार न होने पर सीएचसी सिखेड़ा में भर्ती कराया। बताया कि हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने किशोरी को मेरठ रेफर कर दिया।

बार एसोसिएशन ने मनाई चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि, अधिवक्ताओं ने अर्पित की श्रद्धांजलि

गाजियाबाद, करंट क्राइम। बार एसोसिएशन गाजियाबाद द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की 39वीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। बार एसोसिएशन सभागार परिसर में स्थापित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अधिवक्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में चौधरी चरण सिंह के राजनीतिक, सामाजिक और किसान हितैषी योगदान को याद करते हुए वक्ताओं ने उन्हें किसानों और आमजन का सच्चा हितैषी बताया।

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ब्रह्म देव त्यागी ने कहा कि गाजियाबाद बार एसोसिएशन के लिए यह गर्व का विषय है कि चौधरी चरण सिंह ने यहां अधिवक्ता के रूप में वकालत की थी। उन्होंने कहा कि चौधरी साहब ने कभी भी गलत व्यक्ति की पैरवी नहीं की और अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। बार एसोसिएशन के सचिव वरुण त्यागी एडवोकेट ने कहा कि चौधरी चरण सिंह ईमानदारी के पर्याय थे और उनका जीवन आज भी नई पीढ़ी को प्रेरित करता है। वरिष्ठ अधिवक्ता चौधरी अजय बीर सिंह ने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने किसानों और मजदूरों की आवाज को सत्ता के गलियारों तक पहुंचाने का काम किया। पूर्व अध्यक्ष अमर पाल सिंह तेवतिया ने कहा कि जमींदारी उन्मूलन अधिनियम के माध्यम से किसानों को उनकी जमीन का मालिक बनाने का श्रेय चौधरी साहब को जाता है। पूर्व अध्यक्ष विजय पाल सिंह राठी ने कहा कि आज भी किसान समाज उन्हें अपने मसीहा के रूप में याद करता है।

कार्यक्रम में अनीश चौधरी, रणवीर सिंह डागर, सत्य केतु सिंह, नाहर सिंह यादव, राकेश जैन, शिव कुमार गुप्ता, राजेन्द्र चौधरी, नरेश चौधरी, विजय गौड़, अमित नेहरा, विनीत चौधरी, अयूब उम्मेद, नितिन यादव, आदेश गर्ग, विनय चौधरी, औरंगजेब, अरुण त्यागी सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा महानगर इकाई ने बनाई रणनीति, जन-जन तक पहुंचेंगी उपलब्धियां

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे ह्ल12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के अभियान को लेकर भाजपा महानगर इकाई ने तैयारियां तेज कर दी हैं। अभियान के सफल संचालन और जन-जन तक केंद्र सरकार की उपलब्धियों को पहुंचाने के उद्देश्य से भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में सभी आयामों के संयोजकों एवं प्रमुखों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों के दौरान संचालित जनकल्याणकारी कार्यक्रमों, विकास कार्यों और विभिन्न योजनाओं को आम जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि सरकार की उपलब्धियों और जनहितकारी योजनाओं की जानकारी समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना अभियान का मुख्य उद्देश्य है। इसके लिए सभी आयामों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने की आवश्यकता है।

उन्होंने अभियान को सफल बनाने के लिए विभिन्न विषयों पर कार्ययोजना तैयार करने तथा संगठन के प्रत्येक स्तर पर सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में अभियान के संयोजक राजन आर्य वाल्मीकि, सहसंयोजक महताब त्यागी, राम त्यागी एवं दयानंद बंसल ने भी अपने विचार रखते हुए सभी आयाम प्रमुखों को विभागवार जिम्मेदारियों के निर्वहन एवं अभियान की सफलता के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में आयाम प्रमुख सचिन डेढ़ा, देवेंद्र यादव, नरेश भाटी, मोनिका चौधरी, रिचा भदोरिया, नीरज शर्मा, पुष्पेंद्र गुप्ता, गजेंद्र सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई और अभियान को व्यापक स्तर पर सफल बनाने का संकल्प लिया गया।

शास्त्री नगर में चला 2 गज अभियान, पुलिस ने हटवाया सड़क किनारे अतिक्रमण

दुकानदारों को दी चेतावनी, आने वाले दिनों में हर चौकी क्षेत्र में चलेगा अभियान

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शुक्रवार को शास्त्री नगर इलाके में थाना कवि नगर पुलिस और ट्रैफिक पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से 2 गज अभियान चलाकर सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटवाया गया। अभियान के दौरान मुख्य मार्गों पर दुकानदारों द्वारा सड़क तक फैलाए गए सामान को पीछे कराया गया और भविष्य में दोबारा अतिक्रमण न करने की सख्त चेतावनी दी गई।

इस दौरान ट्रैफिक इंस्पेक्टर अजय कुमार यादव और थाना कवि नगर पुलिस टीम मौके पर मौजूद रही। पुलिस ने दुकानदारों और स्थानीय लोगों को यातायात व्यवस्था बनाए रखने और सड़क को अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए जागरूक भी किया।

एसीपी कवि नगर सूर्यबलि मौर्य ने बताया कि पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड के निर्देश पर शहर में अतिक्रमण के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। आने वाले दिनों में कवि नगर थाना क्षेत्र की प्रत्येक चौकी में इसी प्रकार की कार्रवाई की जाएगी ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे और लोगों को जाम की समस्या से राहत मिल सके।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि सड़कें आम जनता की सुविधा और सुरक्षित यातायात के लिए होती हैं। अतिक्रमण की वजह से जाम, दुर्घटनाएं और आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में सभी नागरिकों को जिम्मेदारी निभाते हुए सड़क, फुटपाथ और चौराहों को अतिक्रमण मुक्त रखने में सहयोग करना चाहिए।

घर से निकते ही आसमान से गिरी मौतः 11 हजार क्षमता के हाईटेंशन से जल गया गौरव

जहांगीरपुर। गुरुवार रात को तेज आंधी आने के चलते हाईटेंशन लाइन और नीचे लटक गई, जो जमीन से करीब चार फुट ऊंचाई पर थी। शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे गौरव घर से बाहर निकला तो नीचे लटकी हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया और पुरी तरह झुलस गया। यूपी के हापुड़ स्थित छपना गांव में शुक्रवार सुबह घर के बाहर निकलते ही युवक नीचे लटके हुए 11 हजार क्षमता के ही हाईटेंशन की चपेट में आ गया। करंट से झुलसने पर युवक की मौत हो गई। गुस्साए परिजन जब बिजली घर गए तो कर्मचारी व अधिकारी पहले ही फरार हो गए। इसके बाद शव को लेकर परिजन थाने पहुंचे और करीब डेढ़ घंटे तक हंगामा किया।

मृतक गौरव

लिस्ट से किसका बनेगा काम और कौन करेगा आराम

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में अब लखनऊ वाली बड़ी लिस्ट का वेट हो रहा है। बताया जा रहा है लिस्ट में आईपीएस और पीपीएस स्तर के अधिकारियों के तबादले होने हैं। यह लिस्ट लंबी रहने वाली है और इसमें कमिश्नरेट से कनेक्शन जुड़ने की पूरी पूरी उम्मीद है। पुलिस वाले सूत्र बता रहे हैं कि देखना होगा इस लिस्ट से कौन आउट होगा और कौन इन होगा। आउट होने वालों की संख्या भी ठीक-ठाक है, तो इन वालों का नंबर भी अधिक बताया जा रहा है। अब इन सबके बीच सवाल उठ रहा है लिस्ट से किसका काम बनेगा और किसको आराम मिलेगा। बताया जा रहा है कि जिस तरीके से पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में इन दिनों कई अधिकारियों पर कई-कई थानों का प्रभार है। तो बताया जा रहा है कि एक सर्किल की स्थिति और खराब होने वाली है। इन सबके बीच यह भी जानकारी मिली है कि एसीपी वाली लिस्ट के बाद फिर थाना प्रभारी के स्तर पर कुछ बदलाव आएंगे। तीन चेंज की जानकारी मिल रही है और आने वाले दिनों में समीकरण कुछ और भी बदल सकते हैं। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सूत्र बता रहे हैं कि जिस तरीके से पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में बंपर तबादले हुए हैं। उसके बाद इसका सीधा कर अब पुलिसिंग और क्राइम ग्राफ पर भी देखने को मिलेगा। वहीं लखनऊ वाले सूत्र बता रहे हैं कि जिस तरीके से अन्य विभागों में एक के बाद एक लिस्ट आ रही है। तो पुलिस विभाग में भी वेट हो रहा है। कई स्तर के अधिकारी रिटायर हुए हैं। तो कई को प्रमोशन वाला गिफ्ट भी मिल गया है। अब देखना होगा की बड़ी वाली लिस्ट क्या बदलाव लाती है और किस स्तर पर प्रभाव डालती है। उधर पुलिस के सूत्र बता रहे हैं कि यह भी दिलचस्प रहेगा कि गाजियाबाद वाले सिस्टम में अधिकारियों की इनकमिंग और आउटगोइंग का रेशियो क्या रहता है, क्योंकि जाने वालों की संख्या तो अधिक रही है, लेकिन आने वालों के नाम की संख्या सीमित रही है। अब इस बार देखना होगा कि आने और जाने का क्या तालमेल बनता है। या संख्या कम ज्यादा रहेगी। कुल मिलाकर अब जून के प्रथम सप्ताह में लिस्ट की संभावना अधिक बताई जा रही है। देखना होगा कि लिस्ट किस दिन आती है और उसके क्या इफेक्ट और साइड इफेक्ट पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में देखने को मिलेंगे।

लोनी नगर पालिका बोर्ड बैठक में हंगामा सभासद आदर्श प्रधान का आत्मदाह का प्रयास

भ्रष्टाचार और भेदभाव के लगाए गंभीर आरोप

सफाई कर्मियों के वेतन से लेकर विकास कार्यों में भेदभाव तक उठाए कई बड़े मुद्दे, बैठक में मचा हड़कंप

गाजियाबाद, करंट क्राइम : लोनी नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक उस समय भारी हंगामे में बदल गई, जब वार्ड नंबर-1 के सभासद आदर्श प्रधान ने जनता की समस्याओं, सफाई कर्मियों के बकाया वेतन और नगर पालिका में कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया।

विरोध के दौरान सभासद द्वारा आत्मदाह का प्रयास किए जाने से बैठक कक्ष में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मौके पर मौजूद अधिकारियों और अन्य सभासदों ने किसी तरह स्थिति को संभाला। सभासद आदर्श प्रधान ने बोर्ड बैठक में आरोप लगाते हुए कहा कि नगर पालिका प्रशासन पूरी तरह मनमानी पर उतर आया है। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मियों को कई महीनों से समय पर वेतन नहीं मिल रहा, जिसके कारण उनके परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। कर्मचारियों को लगातार आश्वासन दिए जा रहे हैं, लेकिन भुगतान नहीं हो रहा।

उन्होंने आरोप लगाया कि नगर पालिका क्षेत्र के वार्डों में विकास कार्यों को लेकर भेदभाव किया जा रहा है। कुछ चुनिंदा क्षेत्रों में ही सड़क, नाली और सफाई जैसी सुविधाओं पर काम कराया जा रहा है, जबकि कई वार्ड मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

श्रीमद्भागवत कथा में पहुंचे डॉ. अजय शर्मा कथा व्यास से लिया आशीर्वाद

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सेक्टर-2 राजेंद्र नगर स्थित श्री सनातन धर्म मंदिर में भाजपा के वरिष्ठ नेता बी.एल. गौतम द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या पहुंच रही है। कथा के दौरान भाजपा नेता एवं समाजसेवी डॉ. अजय शर्मा ने पहुंचकर कथा व्यास पंडित दिनेश कुमार शास्त्री से आशीर्वाद प्राप्त किया तथा श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण किया। इस अवसर पर डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को संस्कार, सेवा और सदाचार का संदेश देने का माध्यम भी है। उन्होंने कथा आयोजन के लिए बी.एल. गौतम को शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में पूर्व महानगर महामंत्री एवं वरिष्ठ अधिवक्ता लेखराज माहौर, पूर्व पार्षद आशुतोष शर्मा तथा युवा नेता कुंजन पंडित भी उपस्थित रहे। सभी श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण कर धर्म, संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। बीएआई के चेयरमैन रविन्द्र त्यागी ने संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू से मुलाकात की। इस दौरान रविन्द्र त्यागी ने उन्हें बीएआई 206-27 की दूसरी प्रबंध समिति तथा प्रथम महासभा बैठक के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पधारने हेतु औपचारिक निमंत्रण दिया। इस मुलाकात में रविन्द्र त्यागी ने केन्द्रीय मंत्री किरण रिजिजू को बीएआई की विभिन्न गतिविधियों, निर्माण उद्योग के विकास हेतु किये जा रहे प्रयासों और बीएआई की राष्ट्र निर्माण में भूमिका से अवगत कराया। सौहार्दपूर्ण और सकारात्मक मुलाकात के इस पल को रविन्द्र त्यागी ने अपनी फेसबुक पोस्ट पर साझा किया। यह पोस्ट बनीं करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

'ईरान के साथ 'खराब समझौता' नहीं करेंगे राष्ट्रपति ट्रंप'

अमेरिकी वित्त मंत्री बोले- होर्मुज खुलना जरूरी

वॉशिंगटन। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट का दावा है कि पहली बार है कि ईरान परमाणु समझौते पर बात करने के लिए तैयार है। उन्होंने इसका श्रेय राष्ट्रपति ट्रंप को दिया और कहा कि वे ईरान के साथ बुरा समझौता नहीं करेंगे। आइए जानते हैं कि स्कॉट बेसेंट ने और क्या-क्या कहा।

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के साथ किसी भी 'खराब समझौते' को स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी समझौते में ईरान के परमाणु कार्यक्रम का समाधान होना चाहिए और होर्मुज जलडमरूमध्य में खुली शिपिंग की गारंटी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास तनाव की वजह से लगभग 2,000 जहाज इस समय खाड़ी से बाहर निकलने का इंतजार कर रहे हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप की मंजूरी पर निर्भर है समझौता

व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए स्कॉट बेसेंट ने साफ किया कि ईरान के साथ फिलहाल कोई समझौता नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि कोई भी समझौता राष्ट्रपति ट्रंप की मंजूरी पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा, 'टीमें लगातार बातचीत कर रही हैं और राष्ट्रपति ट्रंप ने यह साफ कर दिया है। ईरान को अपना संवर्धित यूरेनियम सौंपना होगा। उसे परमाणु हथियार रखने की बिल्कुल भी इजाजत नहीं दी जाएगी और होर्मुज जलडमरूमध्य में मुक्त आवागमन जरूरी है। समुद्री मार्ग पहले की तरह खुला और स्वतंत्र होना चाहिए।'

एआई की रेस में चीन, अमेरिका से काफी पीछे

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने संयुक्त राज्य अमेरिका को दुनिया की अग्रणी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पावर घोषित करते हुए तर्क दिया कि चीन अभी भी काफी पीछे है। वाशिंगटन इस सदी की सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक प्रतिस्पधाओं में से एक में अपनी तकनीकी बढ़त बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। बेसेंट ने कहा, 'अमेरिका विश्व में एआई का अग्रणी देश है। हम एक एआई महाशक्ति हैं। चीन दूसरे स्थान पर है, लेकिन काफी पीछे है।'

सैन्य और आर्थिक दबाव से झुका ईरान

वित्त मंत्री ने तर्क दिया कि हाल के अमेरिकी सैन्य और आर्थिक दबाव के कारण ईरान बातचीत की मेज पर आया है। उन्होंने कहा, इस प्रशासन ने और राष्ट्रपति ट्रंप ने वह किया है जो कोई और प्रशासन नहीं कर सका। हमने ईरानियों को उनके परमाणु कार्यक्रम पर बात करने के लिए तैयार किया है और शायद यह भी कि वे परमाणु हथियार न रखें। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। बेसेंट ने यह भी कहा कि किसी भी भविष्य की प्रतिबंधों में ढील तभी दी जाएगी जब ईरान अमेरिका की प्रमुख शर्तों को पूरा करेगा।

ऊर्जा बाजार मजबूत

वित्त मंत्री ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र में तनाव के बावजूद ऊर्जा बाजार मजबूत बना हुआ है और शिपिंग बाधाएं खत्म होने के बाद तेल कीमतों में गिरावट आ सकती है। बेसेंट ने कहा कि तेल की कीमतें पहले की अपेक्षाओं से कम हैं और इसका श्रेय अमेरिका के बढ़ते उत्पादन को दिया। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बातचीत से नतीजा नहीं निकला तो अमेरिका सरकार का धैर्य असीमित नहीं है।

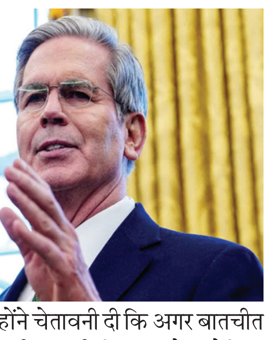

खाड़ी से निकलने का इंतजार कर रहे करीब दो हजार जहाज: स्कॉट बेसेंट

स्कॉट बेसेंट के खुलासे से पहली बार अंदाजा लगा है कि इस अहम समुद्री रास्ते पर कितना बड़ा जाम लग चुका है। दुनिया के तेल और लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) का बड़ा हिस्सा आम तौर पर इसी रास्ते से गुजरता है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए बेसेंट ने कहा कि करीब 2,000 जहाज खाड़ी से बाहर आने का इंतजार कर रहे हैं।

'ईरान-अमेरिका समझौते के करीब लेकिन अभी डील नहीं हुई है', उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का बड़ा बयान

मैरीलैंड। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध खत्म करने को लेकर समझौते की बातचीत अंतिम चरण में है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि दोनों देश डील के काफी करीब हैं, लेकिन यूरेनियम संवर्धन समेत कुछ मुद्दों पर सहमति अभी बाकी है।

अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध को समाप्त करने और दीर्घकालिक शांति स्थापित करने की दिशा में बातचीत अंतिम चरण में पहुंचती दिख रही है। हालांकि, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने स्पष्ट किया है कि दोनों देशों के बीच अभी भी कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति बनना बाकी है और यह कहना जल्दबाजी होगी कि अंतिम समझौता कब और क्या हो पाएगा।

जेडी वेंस ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि दोनों पक्ष कुछ बिंदुओं और विशेष रूप से यूरेनियम संवर्धन के मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम अभी वहां नहीं पहुंचे हैं, लेकिन काफी करीब हैं और बातचीत जारी रहेगी।

वेंस ने दावा किया कि अगर समझौता हो जाता है तो इससे होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से पूरी तरह खोला जा सकेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका पहले ही ईरान की पारंपरिक सैन्य क्षमताओं को काफी कमजोर कर चुका है और उसके परमाणु कार्यक्रम को लंबे समय तक पीछे धकेलने की स्थिति में है। उनके अनुसार यह अमेरिकी जनता के हित में होगा।

युद्धविराम बढ़ाने का प्रस्ताव

रिपोर्टों के अनुसार, प्रस्तावित समझौते में मौजूदा युद्धविराम को 60 दिनों के लिए बढ़ाने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम के भविष्य पर औपचारिक वार्ता शुरू करने की योजना शामिल है। अमेरिकी अधिकारियों ने दावा किया है कि दोनों देशों के बीच एक रूपरेखा तैयार हो चुकी है, लेकिन उसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी नेतृत्व की मंजूरी मिलना अभी बाकी है।

हालांकि, ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम ने इन दावों का खंडन करते हुए कहा है कि किसी समझौते को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है और न ही इसकी पुष्टि हुई है।

परमाणु कार्यक्रम सबसे बड़ा मुद्दा: अमेरिका लंबे समय से ईरान से उच्च स्तर के संवर्धित यूरेनियम का उत्पादन बंद करने और मौजूदा भंडार को खत्म करने की मांग करता रहा है। वाशिंगटन का मानना है कि इस सामग्री का उपयोग परमाणु हथियार बनाने में किया जा सकता है।

वेंस ने कहा कि अमेरिका को लगता है कि ईरान इस बार अच्छी नीयत के साथ बातचीत कर रहा है। हालांकि, अप्रैल में युद्धविराम लागू होने के बाद से राष्ट्रपति ट्रंप कई बार यह कह चुके हैं कि समझौता करीब है, लेकिन अब तक कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया है।

न्यू जर्सी के हिरासत केंद्र के बाहर आईसीई अधिकारियों के साथ झड़प

नई दिल्ली। न्यू जर्सी के एक हिरासत केंद्र के सामने प्रदर्शनकारियों और सशस्त्र संघीय आव्रजन अधिकारियों के बीच झड़प हो गई। यहां कई दिनों से कार्यकर्ता यह दावा करते हुए प्रदर्शन कर रहे हैं कि बंदियों द्वारा खराब जीवन स्थितियों के विरोध में भूख हड़ताल की जा रही है।

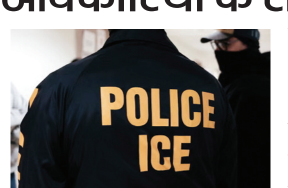

सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो और तस्वीरों में दिखाया गया है कि बुधवार रात को न्यूर्क में डेलाने हॉल के सामने प्रदर्शनकारियों के समूहों ने, जिनमें से कई ने गैस मास्क और अन्य फेस कवर पहन रखे थे, एक मानव श्रृंखला बनाकर एक-दूसरे का हाथ पकड़ लिया। कुछ लोगों ने अमेरिकी आव्रजन सीमा शुल्क प्रवर्तन अधिकारियों का सामना करते हुए कूड़ेदान, पुराने गद्दे, छतरियां और अन्य सामग्रियों का उपयोग अस्थायी ढाल और अवरोध के रूप में किया। कुछ अन्य लोगों ने इमारत में प्रवेश करने और बाहर निकलने वाले लोगों और वाहनों को रोकने का प्रयास किया या प्रवेश द्वार पर तैनात आईसीई अधिकारियों की ओर नारंगी रंग के ट्रैफिक कोन और अन्य वस्तुएं फेंकीं।

अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने कहा कि कानून प्रवर्तन अधिकारियों पर हमला करने के आरोप में लगभग छह प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि आईसीई के अधिकारियों पर हमला करना और उनके काम में बाधा डालना एक अपराध है। एजेंसी ने आगे कहा कि कानून प्रवर्तन अधिकारियों पर हमला करने वाले किसी भी व्यक्ति पर कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

वैश्विक आलोचना के बावजूद भारत ने हमेशा इस्राइल का साथ दिया : नेतन्याहू

यरूशलम। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारत को एक बड़ी वैश्विक शक्ति बताते हुए कहा कि भारत में इस्राइल के प्रति बेहद मजबूत समर्थन और प्रेम है। उन्होंने भारत-इस्राइल संबंधों को विशेष और रणनीतिक साझेदारी का उदाहरण बताया।

इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारत को एक महाशक्ति बताया। उन्होंने कहा है कि दुनिया के कई हिस्सों में इस्राइल को आलोचनाओं और यहूदी राज्य की वैधता पर सवालों का सामना करना पड़ता है, लेकिन भारत में इस्राइल के प्रति लोगों का समर्थन और स्नेह बेहद मजबूत है। उन्होंने कहा कि भारत में इस्राइल के लिए अविश्वसनीय और जबरदस्त प्यार देखने को मिलता है।

भारत-इस्राइल संबंधों पर क्या बोले नेतन्याहू?

जॉर्डन वैली में गुरुवार को आयोजित एक नेतृत्व कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नेतन्याहू ने भारत-इस्राइल संबंधों को दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी का अहम स्तंभ बताया। उन्होंने कहा कि इस्राइल अपने अंतरराष्ट्रीय गठबंधनों का लगातार विस्तार कर रहा है और इस दिशा में भारत के साथ उसका विशेष रिश्ता बेहद महत्वपूर्ण है।

नेतन्याहू ने कहा कि हम अपने गठबंधनों का विस्तार कर रहे हैं और इस बड़े दायरे में भारत जैसे विशाल और शक्तिशाली देश के साथ हमारा अनूठा संबंध शामिल है। उन्होंने दावा किया कि दुनिया के अन्य हिस्सों में इस्राइल को लेकर आलोचनात्मक माहौल हो सकता है, लेकिन भारत में स्थिति बिल्कुल अलग है।

अपने फॉलोअर्स के बारे में क्या बोले नेतन्याहू?

उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि सोशल मीडिया पर उनके सबसे ज्यादा फॉलोअर्स भारत से हैं। नेतन्याहू ने इससे पहले भी कई मौकों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों और भारत-इस्राइल सहयोग की मजबूती का जिक्र किया है। दोनों देशों के बीच रक्षा, कृषि, प्रौद्योगिकी, जल प्रबंधन और व्यापार जैसे क्षेत्रों में सहयोग लगातार बढ़ रहा है। नेतन्याहू की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब पश्चिम एशिया में सुरक्षा चुनौतियां बनी हुई हैं और इस्राइल अपने पारंपरिक सहयोगियों से आगे बढ़कर नए वैश्विक साझेदारों के साथ संबंध मजबूत करने पर जोर दे रहा है।

चीन-कनाडा वार्ता के बीच उठा उइगरों के दमन का मुद्दा, चीनी विदेश मंत्री के विरोध में उतरा संगठन

नई दिल्ली। चीन के विदेश मंत्री वांग यी के कनाडा पहुंचने पर, एक प्रमुख उइगर अंतरराष्ट्रीय अधिकार संगठन ने कनाडा सरकार से अपील की है कि वह चीन के मानवाधिकार उल्लंघनों पर खुलकर बात करे और बिना जवाबदेही तय किए चीन के साथ रिश्तों को सामान्य बनाने की कोशिश न करें। वांग यी की यह तीन दिन की यात्रा 28 से 30 मई तक ऐसे समय में हो रही है जब दोनों देश व्यापार और रणनीतिक समझौतों के जरिए आपसी सहयोग बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

करीब दस साल में यह पहली बार है जब कोई चीनी विदेश मंत्री कनाडा दौरे पर आया है। कनाडा स्थित उइगर राइट्स एडवोकेसी प्रोजेक्ट (यूआरएपी) ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और विदेश मंत्री अनीता आनंद से अपील की कि वे चीनी विदेश मंत्री के साथ बैठक में पूर्वी तुर्किस्तान, जिसे चीन का शिनजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र भी कहा जाता है, में उइगर लोगों की बड़े पैमाने पर हिरासत और निगरानी का मुद्दा उठाएं। संगठन ने यह भी कहा कि कनाडाई नेता जबरन मजदूरी, सप्लाई चेन में हो रहे शोषण और कनाडा में उइगर कार्यकताओं और मानवाधिकार समर्थकों को निशाना बनाने वाली चीन की बढ़ती दबाव की राजनीति पर भी बात करें।

यूआरएपी का कहना है कि अगर कनाडा चीन के साथ नए समझौते और रणनीतिक साझेदारी आगे बढ़ाता है, जबकि उइगरों के खिलाफ कथित 'नरसंहार' और 'सीमा पार दमन' जारी है, तो इससे कनाडा की अपनी मानवाधिकार प्रतिबद्धताएं कमजोर पड़ सकती हैं।

संगठन ने कनाडा और चीन के बीच कानून लागू करने वाले विभागों के कुछ 'गोपनीय' सहयोग समझौतों और रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) के उन समझौतों पर भी चिंता जताई, जिनमें जानकारी साझा करने, जांच में मदद और चीनी सुरक्षा एजेंसियों के साथ तालमेल शामिल है।

टेस्टिंग के दौरान फटा ब्लू ओरिजिन का रॉकेट

आसमान में दिखा खौफनाक मंजर, मस्क ने दी प्रतिक्रिया

वॉशिंगटन। अमेरिका के फ्लोरिडा में ब्लू ओरिजिन का न्यू ग्लेन रॉकेट इंजन टेस्ट के दौरान लॉन्च पैड पर फट गया। धमाके से आसपास के इलाके हिल गए। कंपनी ने सभी कर्मचारियों के सुरक्षित होने की पुष्टि की है।

अमेरिकी अरबपति जेफ बेजोस की स्पेस कंपनी ब्लू ओरिजिन को उस समय बड़ा झटका लगा जब उसका विशाल न्यू ग्लेन रॉकेट लॉन्च पैड पर टेस्टिंग के दौरान अचानक विस्फोट का शिकार हो गया। यह घटना गुरुवार रात फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्थित लॉन्च कॉम्प्लेक्स-36 में हुई।

रॉकेट में इंजन फायरिंग टेस्ट चल रहा था, तभी तेज धमाके के साथ आग का बड़ा गोला आसमान में दिखाई दिया। धमाका इतना जबरदस्त था कि आसपास के कई इलाकों में घर तक हिल गए। सोशल मीडिया पर लोगों ने धमाके की तस्वीरें और वीडियो साझा किए, जिनमें आसमान नारंगी रंग की आग से चमकता नजर आया।

कंपनी ने सभी कर्मचारियों के सुरक्षित होने की दी जानकारी

ब्लू ओरिजिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी कर कहा कि टेस्ट के दौरान तकनीकी गड़बड़ी हुई थी। कंपनी के मुताबिक, सभी कर्मचारियों की गिनती कर ली गई है और कोई भी घायल नहीं हुआ है। कंपनी ने कहा कि आज के हॉटफायर टेस्ट के दौरान हमें एक असामान्य स्थिति का सामना करना पड़ा। मामले की जांच की जा रही है और जल्द अपडेट साझा किया जाएगा। स्थानीय आपातकालीन अधिकारियों ने भी साफ किया कि विस्फोट के बाद किसी जहरीले धुएं या अन्य खतरे की आशंका नहीं है।

एलन मस्क की आई प्रतिक्रिया

स्पेसएक्स के मालिक और अरबपति उद्यमी एलन मस्क ने इस घटना पर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बेहद संक्षिप्त टिप्पणी करते हुए लिखा 'बहुत दुर्भाग्यपूर्ण। रॉकेट कठिन होते हैं।'

पहले भी तकनीकी समस्या का सामना कर चुका है न्यू ग्लेन

ब्लू ओरिजिन का न्यू ग्लेन रॉकेट पहले भी तकनीकी समस्याओं को लेकर चर्चा में रहा है। अप्रैल में इसकी उड़ान को रोक दिया गया था क्योंकि इंजन फेल होने के कारण यह एक सैटेलाइट को गलत कक्षा में छोड़ बैठा था।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में इस्राइल और रूस पर यौन हिंसा के आरोप

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी होने वाली वार्षिक रिपोर्ट में इस बार इस्राइल और रूस की सेनाओं को पहली बार संघर्ष क्षेत्रों में यौन हिंसा के आरोपों के चलते ब्लैकलिस्ट में शामिल किया गया है। यह रिपोर्ट शुक्रवार को औपचारिक रूप से जारी होने से पहले गुरुवार देर रात सामने आई। करीब 35 पन्नों की इस रिपोर्ट में दुनिया के 12 देशों के 77 सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों का उल्लेख किया गया है, जिन पर युद्ध और संघर्ष के दौरान यौन हिंसा में शामिल होने या जिम्मेदार होने का आरोप है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में ऐसे मामलों में पिछले साल की तुलना में तेज वृद्धि दर्ज की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र ने इस्राइल और कब्जे वाले फलस्तीनी क्षेत्रों में हिरासत में रखे गए लोगों के खिलाफ यौन हिंसा के पैटर्न दर्ज किए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने गाजा और वेस्ट बैंक से जुड़े कई मामलों की पुष्टि भी की है।

स्पेलिंग बी के चैंपियन बने भारतीय मूल के छात्र श्रेय पारिख

कैलिफोर्निया। के 14 वर्षीय भारतीय मूल के छात्र श्रेय पारिख ने स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी 2026 का खिताब जीत लिया। उन्होंने फाइनल में ईशान गुप्ता को हराया और 90 सेकंड के स्पेल-ऑफ राउंड में 32 शब्दों की सही स्पेलिंग बताकर चैंपियन बने। आइए विस्तार से जानते हैं।

कैलिफोर्निया के 14 वर्षीय भारतीय मूल के छात्र श्रेय पारिख ने प्रतिष्ठित स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने न्यू जर्सी के ईशान गुप्ता को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। प्रतियोगिता के निर्णायक स्पेल-ऑफ राउंड में श्रेय और ईशान को 90 सेकंड के भीतर अधिक से अधिक शब्दों की सही स्पेलिंग बताने का मौका मिला। श्रेय ने 90 सेकंड में 32 शब्दों की सही स्पेलिंग बताई, जबकि ईशान 25 शब्द ही सही लिख सके। इसी प्रदर्शन के दम पर श्रेय को विजेता घोषित किया गया।

90 सेकंड में बताए 32 शब्द, इतना मिला इनाम

पारिख ने कितना जीता इनाम?

श्रेय पारिख इससे पहले साल 2022 स्क्रिप्स स्पेलिंग बी में पारिख 89वें स्थान पर आए थे। साल 2024 में तीसरे स्थान पर रहे थे। 2024 में भी प्रतियोगिता के फाइनल तक पहुंचे थे। इस जीत के साथ उन्हें 50,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि यानी लगभग 41.5 लाख रुपये अपने नाम कर ली। साथ ही एक स्मारक पदक, प्रतिष्ठित स्क्रिप्स कप, मेरियम-वेबस्टर की ओर से 2,500 डॉलर, डेल्टा एयरलाइंस की ओर से 1,000 डॉलर के फ्लाइट क्रेडिट और एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका की ओर से 400 डॉलर मूल्य की संदर्भ पुस्तकें प्रदान की जाएंगी।

देश-विदेशों के प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

तीन दिवसीय यह प्रतियोगिता सोमवार को वॉशिंगटन स्थित डीए आर कॉन्स्टिट्यूशन हॉल में शुरू हुई थी। इसमें अमेरिका के सभी 50 राज्यों, डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया, गुआम, प्यूर्टो रिको, यूएस वर्जिन आइलैंड्स, यूरोप स्थित रक्षा विभाग के स्कूलों और बहामास, कनाडा, घाना, नाइजीरिया व संयुक्त अरब अमीरात सहित पांच अन्य देशों के कुल 247 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के अंतिम दौर में नौ प्रतिभागियों ने जगह बनाई थी। वहीं, जॉर्जिया के 12 वर्षीय सर्व धारवाने तीसरे स्थान पर रहे।

कौन ले सकता है हिस्सा?

इस प्रतियोगिता में केवल आठवीं कक्षा तक के छात्र भाग ले सकते हैं और उनकी उम्र 15 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। प्रतियोगियों को सबसे पहले दो प्रारंभिक राउंड पास करने होते हैं। इनमें एक स्पेलिंग राउंड और एक मल्टीपल-चॉइस वोकैबुलरी राउंड शामिल होता है, जिसमें पहले से जारी शब्द सूची के आधार पर प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रारंभिक चरण में सफल रहने वाले प्रतिभागियों को लिखित स्पेलिंग और वोकैबुलरी टेस्ट देना पड़ता है। इसके बाद शीर्ष 100 या उसके आसपास के प्रतिभागी क्वार्टरफाइनल में पहुंचते हैं।

300 अरब डॉलर निवेश से लेकर लेबनान में हमले रोकने तक, आखिर समझौते में क्या-क्या शामिल

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित समझौता अंतिम चरण में पहुंच गया है। डील के तहत 60 दिन के संघर्ष विराम, होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने, ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत, अमेरिकी प्रतिबंधों में राहत और लेबनान संकट के समाधान जैसे कई मुद्दे शामिल हैं। आइए विस्तार से जानते हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव को खत्म करने के लिए तैयार हो रही संभावित डील अब अंतिम चरण में पहुंचती दिख रही है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि दोनों पक्ष समझौते के काफी करीब हैं, हालांकि कुछ मुद्दों पर अभी सहमति बनना बाकी है।

अगर यह समझौता अंतिम रूप लेता है तो इसमें केवल युद्धविराम ही नहीं, बल्कि परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंधों में राहत, होर्मुज जलडमरूमध्य, लेबनान संकट और बड़े निवेश पैकेज जैसे कई अहम मुद्दे शामिल होंगे।

डील में क्या-क्या है?

1. 60 दिन का सीजफायर और बातचीत

प्रस्तावित समझौते के तहत अमेरिका और ईरान 60 दिनों तक संघर्षविराम बढ़ाएंगे। इसी अवधि में दोनों देश स्थायी शांति समझौते और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर विस्तृत बातचीत करेंगे।

2. होर्मुज जलडमरूमध्य खुलेगा

दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में शामिल होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही सामान्य करने का प्रस्ताव है। रिपोर्टों के मुताबिक ईरान समुद्री बारूदी सुरंगें हटाएगा, जबकि अमेरिका नौसैनिक प्रतिबंधों में राहत देने पर विचार करेगा।

3. परमाणु कार्यक्रम पर सबसे बड़ी बातचीत

डील का सबसे संवेदनशील हिस्सा ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ा है। अमेरिका चाहता है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित न करने की प्रतिबद्धता दे। साथ ही समृद्ध यूरेनियम के भंडार और भविष्य में यूरेनियम संवर्धन के नियमों पर भी बातचीत होगी।

4. प्रतिबंधों में राहत और फ्रीज संपत्तियां

समझौते में अमेरिकी प्रतिबंधों में राहत और विदेशों में फंसी ईरान की अरबों डॉलर की संपत्तियों को लेकर भी चर्चा शामिल है। ईरान लंबे समय से अपने जमे हुए फंड तक पहुंच की मांग करता रहा है।

5. लेबनान युद्ध पर भी फोकस

डील में लेबनान में जारी संघर्ष को कम करने और हिजबुल्ला व इस्राइल के बीच तनाव घटाने से जुड़ा प्रावधान भी शामिल बताया जा रहा है। हालांकि लेबनान को लेकर दोनों पक्षों की व्याख्या अलग-अलग बताई जा रही है।

6. ईरान के लिए 300 अरब डॉलर का निवेश पैकेज

डील का सबसे चौंकाने वाला हिस्सा करीब 300 अरब डॉलर के अंतरराष्ट्रीय निवेश और पुनर्निर्माण कार्यक्रम का प्रस्ताव है। रिपोर्टों के अनुसार अंतिम समझौता होने पर अमेरिका ईरान में बड़े निवेश को सुगम बनाने में मदद कर सकता है। तेल, ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में अमेरिकी कंपनियों की एंट्री की संभावना भी जताई गई है।

अभी किन मुद्दों पर अटका है मामला?

हालांकि अमेरिका और ईरान समझौते के काफी करीब बताए जा रहे हैं, लेकिन कई अहम मुद्दों पर अब भी मतभेद बने हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बातचीत का अधिकांश हिस्सा पाकिस्तान और कतर की मध्यस्थता में हुआ है। ऐसे में यह भी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है कि दोनों देश समझौते के एक ही मसौदे पर काम कर रहे हैं या नहीं, और ईरान की ओर से अंतिम मंजूरी देने का अधिकार किसके पास है। सबसे बड़ा विवाद संघर्षविराम की शर्तों को लेकर है। अमेरिकी पक्ष के अनुसार प्रस्तावित समझौता 60 दिनों के लिए लड़ाई रोकने और आगे की बातचीत का रास्ता खोलने पर केंद्रित है। वहीं ईरान का दावा है कि इसमें लेबनान समेत सभी मोर्चों पर युद्ध समाप्ति की घोषणा शामिल है और यह व्यापक स्थायी समझौते की दिशा में एक अंतरिम व्यवस्था होगी। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर भी दोनों देशों की व्याख्या अलग-अलग है। अमेरिकी पक्ष चाहता है कि ईरान पहले समुद्री बारूदी सुरंगें हटाए और जहाजों की आवाजाही सामान्य करे, जिसके बाद चरणबद्ध तरीके से अमेरिकी प्रतिबंधों में ढील दी जाए। दूसरी ओर ईरान का कहना है कि समझौते के तहत अमेरिकी नाकाबंदी 30 दिनों के भीतर हटा ली जाएगी और बातचीत के दौरान जलडमरूमध्य पूरी तरह खुला रहेगा।

म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग 30 मई से भारत दौरे पर

नई दिल्ली। म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग 30 मई से 3 जून तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। इस दौरान वह प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे और एक बिजनेस फोरम में भी हिस्सा लेंगे।

विदेश मंत्रालय (टएअ) ने गुरुवार को बताया कि म्यांमार के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग 30 मई से 3 जून 2026 तक भारत की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही यह यात्रा राष्ट्रपति मिन की मौजूदा पद पर भारत की पहली यात्रा होगी। उनके साथ कई कैबिनेट मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और कारोबारी नेताओं का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा।

आईबीसीए सम्मेलन टलने के बावजूद कर रहे भारत यात्रा

राष्ट्रपति मिन पहले 1 जून को होने वाले इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस (क्छउअ) शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले थे, लेकिन अफ्रीकी महाद्वीप के कुछ देशों में इबोला वायरस के प्रकोप के कारण चौथे भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन को स्थगित कर दिया गया। चूंकि क्छउअ सम्मेलन भी इसी आयोजन के साथ प्रस्तावित था, इसलिए उसे भी टाल दिया गया। इसके बावजूद म्यांमार के राष्ट्रपति अब भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे।

पीएम मोदी के साथ करेंगे द्विपक्षीय वार्ता

विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, राष्ट्रपति मिन 1 जून को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। दोनों नेता भारत और म्यांमार के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा राष्ट्रपति एक बिजनेस फोरम में भी हिस्सा लेंगे।

30 May -26 page 8 5/29/2026 10:45 PM Page 1

गाजियाबाद नगर निगम
Ghaziabad Nagar Nigam
(ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
GHAZIABAD DEVELOPMENT AUTHORITY

टेलीकॉम से फार्मा तक, कारोबार से समाजसेवा तक सोनू पाठक की बहुआयामी पहचान का सफर

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और दिल्ली-एनसीआर के कारोबारी जगत में कुछ नाम ऐसे होते हैं जो समय के साथ केवल व्यापारिक पहचान तक सीमित नहीं रहते, बल्कि सामाजिक प्रभाव, नेटवर्किंग क्षमता और सार्वजनिक सक्रियता के कारण अलग स्थान बना लेते हैं। गाजियाबाद के कारोबारी सौनित्य कुमार उर्फ सोनू पाठक भी आज ऐसे ही चर्चित चेहरों में शामिल माने जाते हैं। टेलीकॉम सेक्टर से अपने कारोबारी सफर की शुरुआत करने वाले सोनू पाठक ने समय के साथ मेडिसिन और हेल्थकेयर इंडस्ट्री में मजबूत पकड़ बनाई और फिर सामाजिक गतिविधियों के जरिए अपनी पहचान को व्यापक रूप दिया।

एनसीआर, गाजियाबाद, नोएडा, बुलंदशहर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के व्यापारिक हलकों में सोनू पाठक को ऐसे उद्यमी के रूप में देखा जाता है, जिन्होंने बदलते समय के साथ अपने कारोबार को लगातार नए क्षेत्रों तक विस्तार दिया। शुरुआती दौर में टेलीकॉम इंडस्ट्री से जुड़े रहने के बाद उन्होंने हेल्थकेयर और मेडिसिन सेक्टर में अपना मजबूत नेटवर्क तैयार किया। फार्मा और मेडिकल सप्लाई से जुड़े कारोबारी वर्ग में उनका नाम प्रभावशाली व्यापारियों में लिया जाता है। यही कारण है कि उनका प्रभाव केवल व्यापारिक आयोजनों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामाजिक और सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी लगातार दिखाई देने लगा। व्यापार के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों में सक्रियता ने भी उन्हें अलग पहचान दिलाई।

गरीब और जरूरतमंद लोगों की सहायता, स्वास्थ्य शिविर, भोजन वितरण, शिक्षा सहयोग और गौसेवा जैसे कार्यों में उनकी भागीदारी लगातार चर्चा में रही। सार्वजनिक रिपोर्टों के अनुसार गरीब बच्चों की निशुल्क शिक्षा, गौशाला संचालन और स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन जैसे कार्यों से वे लंबे समय से जुड़े रहे हैं।

करंट क्राइम शख्सियत

जहांगीराबाद से एनसीआर तक बना प्रभाव

करंट क्राइम। सोनू पाठक का मूल संबंध बुलंदशहर जिले के जहांगीराबाद क्षेत्र से बताया जाता है, लेकिन समय के साथ उन्होंने गाजियाबाद और दिल्ली-एनसीआर में अपना मजबूत कारोबारी और सामाजिक नेटवर्क विकसित किया। स्थानीय व्यापारिक संगठनों और उद्योग जगत में उनकी सक्रियता लगातार बढ़ती गई। व्यापारिक मंचों पर उनकी मौजूदगी ने उन्हें पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रभावशाली युवा कारोबारियों में शामिल कर दिया। कई कारोबारी और सामाजिक कार्यक्रमों में उनकी उपस्थिति इस बात का संकेत मानी जाती है कि उन्होंने केवल व्यवसाय ही नहीं, बल्कि जनसंपर्क और सामाजिक नेटवर्किंग को भी अपनी ताकत बनाया।

व्यापारिक संगठनों में प्रभाव

करंट क्राइम। सोनू पाठक उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल से भी जुड़े रहे हैं। व्यापारिक समुदाय के बीच उनकी मजबूत पकड़ और व्यापक संपर्क नेटवर्क को उनकी सबसे बड़ी ताकत माना जाता है। व्यापारिक बैठकों, सामाजिक अभियानों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में उनकी लगातार मौजूदगी ने उन्हें पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रभावशाली कारोबारी चेहरों में शामिल कर दिया।

राजनीतिक और सामाजिक संपर्क

करंट क्राइम। एनसीआर क्षेत्र के कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में सोनू पाठक की मौजूदगी राजनीतिक और सामाजिक हस्तियों के साथ देखी जाती रही है। व्यापारिक मंचों, सामाजिक अभियानों और सार्वजनिक आयोजनों में उनकी सक्रिय भागीदारी ने उन्हें मजबूत नेटवर्किंग चेहरा बना दिया है। स्थानीय स्तर पर माना जाता है कि उनकी पहचान केवल कारोबारी व्यक्ति की नहीं, बल्कि ऐसे सार्वजनिक व्यक्तित्व की बन चुकी है, जिनकी पहुंच व्यापार, समाजसेवा और जनसंपर्क — तीनों क्षेत्रों में दिखाई देती है।

मेडिसिन और हेल्थकेयर सेक्टर में मजबूत उपस्थिति

करंट क्राइम। पिछले कुछ वर्षों में सोनू पाठक का नाम मेडिसिन और हेल्थकेयर सेक्टर में तेजी से उभरा है। एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई व्यापारिक नेटवर्क में उन्हें फार्मा और मेडिकल सप्लाई से जुड़े बड़े कारोबारी के रूप में देखा जाता है। स्थानीय स्तर पर उनकी कारोबारी पहुंच को लेकर चर्चा रहती है।

स्वास्थ्य सेवाओं और मेडिकल नेटवर्क से जुड़े कार्यक्रमों में उनकी सक्रिय भागीदारी ने भी उनकी पहचान को मजबूत किया। मेडिकल और फार्मा सेक्टर से जुड़े लोगों के बीच उनकी मजबूत संपर्क क्षमता को उनकी बड़ी ताकत माना जाता है।

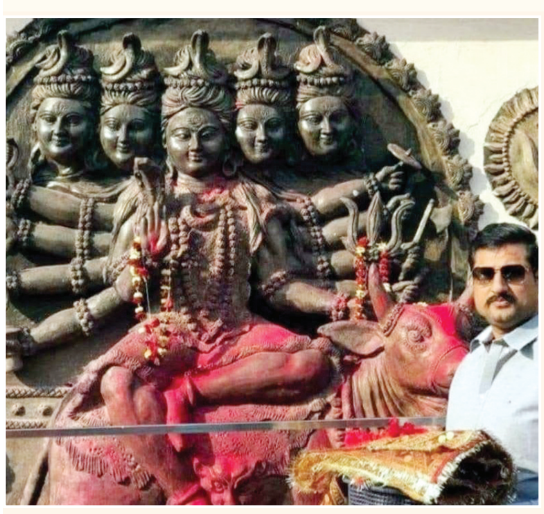

नई पीढ़ी के कारोबारियों के लिए चर्चा का विषय

करंट क्राइम। सोनू पाठक की कारोबारी यात्रा को ऐसे मॉडल के रूप में देखा जाता है, जिसमें पारंपरिक व्यापार के साथ सामाजिक प्रभाव और जनसंपर्क को भी समान महत्व दिया गया। टेलीकॉम से लेकर मेडिसिन इंडस्ट्री तक का उनका सफर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के युवा उद्यमियों के बीच लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है। आज उन्हें ऐसे कारोबारी के रूप में देखा जाता है, जिन्होंने बदलते दौर में अपने व्यवसाय को नए क्षेत्रों तक पहुंचाया और साथ ही सामाजिक गतिविधियों के जरिए सार्वजनिक जीवन में भी मजबूत पहचान स्थापित की।

समाजसेवा से बनी अलग सार्वजनिक छवि

करंट क्राइम। सोनू पाठक की पहचान केवल कारोबारी चेहरे तक सीमित नहीं रही। सामाजिक कार्यों में सक्रियता ने उनकी सार्वजनिक छवि को और मजबूत किया। जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराना, स्वास्थ्य शिविर आयोजित करना, गरीब बच्चों की शिक्षा में सहयोग और गौसेवा जैसे कार्यों का उल्लेख सार्वजनिक रिपोर्टों में मिलता है।

सामाजिक संगठनों और जनसेवा कार्यक्रमों में उनकी मौजूदगी ने उन्हें व्यापारिक वर्ग के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्र में भी पहचान दिलाई। कई बार स्थानीय स्तर पर राहत और सहायता कार्यक्रमों में भी उनकी सक्रियता देखी गई।

टेलीकॉम इंडस्ट्री से मिली कारोबारी समझ

करंट क्राइम। व्यापारिक सर्किल में माना जाता है कि सोनू पाठक ने अपने शुरूआती कारोबारी जीवन में टेलीकॉम सेक्टर में काम किया। उस समय मोबाइल नेटवर्क और संचार सेवाओं का विस्तार तेजी से हो रहा था। इसी दौर ने उन्हें मार्केटिंग, डिस्ट्रीब्यूशन और बड़े नेटवर्क मैनेजमेंट की समझ दी। यही अनुभव आगे चलकर मेडिसिन और हेल्थकेयर सेक्टर में उनके विस्तार का आधार बना। टेलीकॉम सेक्टर में काम करने के दौरान उन्होंने कॉर्पोरेट संचालन, नेटवर्क विस्तार और बड़े स्तर पर कारोबारी संबंधों को विकसित करने की कला सीखी। बाद में इसी अनुभव का उपयोग उन्होंने हेल्थकेयर और मेडिसिन सप्लाई नेटवर्क में किया।

अंतरराष्ट्रीय सम्मान से बढ़ी पहचान

करंट क्राइम। वर्ष 2022 में फ्रांस की शैक्षणिक संस्था Sorbon University द्वारा सोनू पाठक को मानद डॉक्टरेट उपाधि दिए जाने की खबर सामने आई थी। बताया गया कि यह सम्मान उन्हें सामाजिक कार्यों और जनसेवा गतिविधियों के लिए प्रदान किया गया।

इसके बाद हाल के वर्षों में उन्हें पोस्ट-डॉक्टरेट सम्मान मिलने की जानकारी भी सार्वजनिक मंचों और सोशल मीडिया पोस्टों में सामने आई। इन सम्मानों के बाद उनका नाम पश्चिमी उत्तर प्रदेश के व्यापारिक और सामाजिक वर्ग में और अधिक चर्चा में आया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के विरोध पर कांग्रेस का हमला भाजपा सरकार पर लगाए भ्रष्टाचार और संवेदनहीनता के आरोप

गाजियाबाद करंट क्राइम। जिला कांग्रेस कमेटी की पूर्व घोषित प्रेस वार्ता शुक्रवार को जिला कांग्रेस कार्यालय, गाजियाबाद में जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा एवं महानगर अध्यक्ष वीर सिंह जाटव की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने प्रदेश सरकार पर संवेदनहीनता, भ्रष्टाचार और विपक्ष की आवाज दबाने के आरोप लगाए।

जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा ने कहा कि महोबा की एक दलित छात्रा के अपहरण और उसके साथ दुष्कर्म की घटना बेहद दुखद और शर्मनाक है। उन्होंने आरोप लगाया कि पीड़िता के परिवार तक सरकार का कोई प्रतिनिधि नहीं पहुंचा।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय पीड़िता का दुख साझा करने उसके घर जा रहे थे, लेकिन उन्हें रोकने का प्रयास किया गया। इसके बावजूद वह पीड़िता के घर पहुंचे। उन्होंने कहा कि सरकार खुद पीड़ित परिवार के प्रति संवेदनशीलता नहीं दिखा रही है और विपक्ष द्वारा मानवीय आधार पर किए जा रहे प्रयासों का विरोध कर रही है।

महानगर अध्यक्ष वीर सिंह जाटव ने आरोप लगाया कि पूरे प्रदेश में भाजपा कार्यकताओं द्वारा अजय राय के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के मंत्री और विधायक भी विरोध में उतर आए हैं तथा अजय राय की संपत्ति की जांच की मांग कर रहे हैं।

कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में विभिन्न विभागों में घोटाले हो रहे हैं। उन्होंने आगरा नगर निगम में निजी बिजली कंपनी को कथित रूप से करोड़ों रुपये की राहत दिए जाने सहित अन्य मामलों का उल्लेख करते हुए सरकार पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता की पक्षधर है और किसी भी जांच से पीछे नहीं हटेगी, लेकिन यदि जांच हो तो भाजपा सरकार के मंत्रियों, विधायकों और जनप्रतिनिधियों की संपत्तियों की भी निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए।

प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर है और जनहित के मुद्दे उठाने वालों पर कार्रवाई की जा रही है।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा, महानगर अध्यक्ष वीर सिंह जाटव, सुरेंद्र शर्मा, आशुतोष गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी अश्वनी त्यागी, चंद्रपाल, राजकुमार शर्मा, बाबूराम शर्मा, सत्य प्रकाश त्यागी, अमित गोयल, हरपाल सिंह, सूर्यकांत समेत अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पार्षद डॉ अनिल तोमर ने किया 30 एचपी के पंप का शिलान्यास, पानी की समस्या से मिलेगी राहत

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। इंदिरापुरम के वार्ड 98 में पानी की समस्या के समाधान की दिशा में कदम उठाते हुए पार्षद डॉक्टर अनिल तोमर और पार्षद प्रतिनिधि लीना चौहान तोमर ने जज इंक्लेव में 30 एचपी पंप निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर जज आलोक पाराशर, जज कर्दम राजेश पंत, बीके वर्मा, नृपेंद्र तिवारी, पार्षद प्रतिनिधि प्रदीप गुप्ता, सतीश नागपाल, विकास राजपूत सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, वरिष्ठजन और स्थानीय निवासी मौजूद रहे। पार्षद डॉक्टर अनिल तोमर ने कहा कि क्षेत्र में पानी की किल्लत लंबे समय से बड़ी समस्या थी।

इस समर पंप के लगने से आने वाले समय में जनता को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने उपस्थित सभी साथियों का आभार जताया और कहा कि वार्ड के विकास और जनता की सुविधाओं के लिए निरंतर कार्य जारी रहेगा। स्थानीय लोगों ने इस कार्य के लिए पार्षद का धन्यवाद किया और कहा कि गर्मी में पानी की समस्या से काफी परेशानी होती थी। अब उम्मीद है कि पंप शुरू होने के बाद जलापूर्ति सुचारू हो जाएगी।

दहेज के लालच में पत्नी की हत्या के मामले में पति को 10 साल की सजा

ऑपरेशन कन्विक्शन में प्रभावी पैरवी से अदालत ने सुनाया फैसला

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत दहेज हत्या के एक मामले में आरोपी पति को अदालत से कठोर सजा दिलाई गई है। मजबूत साक्ष्यों, प्रभावी विवेचना और लगातार पैरवी के चलते न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई। थाना टीलामोड़ में दर्ज मुकदमे में आरोपी जहांगीर खान निवासी भारत सिटी, टीलामोड़ को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (ईसी एक्ट), गाजियाबाद की अदालत ने शुक्रवार को धारा 304बी भादवि में 10 वर्ष के सश्रम कारावास तथा धारा 498ए भादवि में 3 वर्ष के सश्रम कारावास और 10 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

2022 में दर्ज हुआ था दहेज हत्या का मुकदमा

करंट क्राइम : पुलिस के अनुसार आरोपी अपनी पत्नी को दहेज की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ित करता था। प्रताड़ना के बाद उसकी हत्या कर दी गई थी। इस संबंध में 15 अप्रैल 2022 को थाना टीलामोड़ में मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस कमिश्नर के निर्देशन में गठित कन्विक्शन सेल ने मुकदमे की लगातार मॉनिटरिंग की। तत्कालीन क्षेत्राधिकारी साहिबाबाद अभिजीत आर. शंकर द्वारा साक्ष्यों के आधार पर की गई विवेचना और सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता गिरिराज सिंह भाटी की प्रभावी पैरवी के चलते अदालत ने आरोपी को दोषी मानते हुए सजा सुनाई। मामले में कन्विक्शन सेल के पैरोकार आरक्षी प्रताप सिंह व थाना टीलामोड़ के पैरोकार मुख्य आरक्षी विपिन सिंह ने भी प्रभावी समन्वय और पैरवी में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हम आपको दीवार पुताई का पूरा हिसाब दे रहे हैं बताई? सुना है चोटी वाले ने अब तक तीन पेटी खर्च करके दीवारों से अपनी दावेदारी का शोर मचा दिया है भाई? सुना है उन्होंने भाजपा के ही एक ओबीसी नेता को दिया हुआ है ये काम? ये वो ही ओबीसी नेता हैं? जिन्होंने एक समय खेड़ा जी की दावेदारी दीवारों की पुताई करके दिया था माहौल को अंजाम? कहने वाले ने कहा चोटी वाले त्यागी जी हैं बहुत ही सयाने? उन्हें पता है कौन से काम किस किस से हैं कराने?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** मुराद पूरी करने वाले भरना चाहते हैं किंग सिटी वाले पूर्व मंडल कमिश्नर में करंट? मगर हम देख रहे हैं वो पकड़ने को तैयार नहीं है कोई भी फ्रंट? पता चला है उन्होंने ऑफर होने के बावजूद त्याग दिया नामित का किरदार? सुना है जब भी उन्हें कोई मिशन बड़े जनप्रतिनिधि देते हैं तो वो मिशन मौजूदा कमिश्नर पर देते हैं टाल? उन्हें अंदर से होता है महसूस कि उन्हें बनाया जा सकता है ढाल? उधर भगवा कमांडर है और इधर टॉमक्रूज? वो नहीं बनना चाहते हैं अब किसी भी तरह की टेंशन की मिसाल?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** निगम हो गया निगम पर ज्यादा मेहरबान? सुना है बरसा दिये निगम के यहां पर ढाई करोड़ के काम? कहने वाले ने कहा किसी पूर्व वाले मैम्बर को दिया गया है ऐसा करके बड़ा संदेश? कराया गया है एहसास? सिर्फ तुम्हीं नहीं हो इस वार्ड का फेस? कहने वाले ने कहा शायद करने वाले कर रहे हैं मौजूदा वालों को कुछ ज्यादा ही अंडरस्टीमेट? वो किसी भी दिन कर देंगे गेम फिनिश बिना हुए लेट?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** भगवागढ़ के महिमा वाले एडवोकेट का खींच लो इस सवाल से ध्यान? उनसे बोले कि वो डी और सी ब्लॉक में भी उतना ही लगायें जितना लगाते हैं वो भगवा कमांडर पर ध्यान? पता चला है वो इस एरिया की सौंप देते हैं युवा ओबीसी चेहरे को जिम्मेदारी? ये बात मौहल्ले के बिरादरी वालों को नहीं लगती है प्यारी? वो कहते हैं हम भी इंतजार कर रहे हैं कि हमारा गुप्ता कब तक ये अनदेखी के खेल खेलेगा? आने दो चुनाव फिर देखेंगे कि कैसे हमसे हमारी वोट ले लेगा?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** जब से मिला है नामितों को एक एक करोड़ का काम? सुना है निर्वाचित मैम्बर हो गये हैं बहुत ज्यादा हैरान? नामित ले लें ना कहीं मौहल्ले में विकास का क्रेडिट? इसलिए निर्वाचित कर रहे हैं अब पूरे मामले को एडिट? जो नहीं लगाते थे अब वो जगह जगह पर लगा रहे हैं अपने नाम के बोर्ड? निर्वाचित जानते हैं कि अगर नामित पर अंकुश नहीं लगाया तो फिर भविष्य में गंभीर रहेगी चोट? उन्हें पता है नामित के साथ वैसे भी है विधायक जी का अच्छा खासा सपोर्ट?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** भगवा झा ने मन की बात से लूटी थी बहुत सी वाह-वाह? उन्होंने इस कार्यक्रम का संयोजक बनकर मजबूत किया था अपना और पार्टी का किरदार? मगर सुना है उन्हें बहुत ही सोची समझी रणनीति से कर दिया गया इस सिस्टम से बाहर? बहुत सोच समझकर चौधरी को सौंपी सौपने वाले ने जिम्मेदारी? कहने वाले ने कहा झा बहुत ही ऊर्जावान हैं? मगर अब उसकी ऊर्जा नहीं है रूक पा रही? हाल ही में उसने किसी के आलोक में मचा दिया था तूफान? हम तो अभी भी उनसे कह रहे हैं इसकी ऊर्जा को सही जगह लगायें? सौंप दें इसको कोई काम?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** उन्होंने यूं ही नहीं दिल जले त्यागी जी को कार्यशाला में बुलाया था? हमें पता चला है कार्यशाला में आने से पहले त्यागी जी के बड़े भैया ने पूरे मामले को सुलझाया था? कहने वाले ने कहा बड़े भैया का राजनीति में है बहुत ही बड़ा मान? उनकी बात को भाई हों या बाहर वाले देते हैं बहुत ही सम्मान? कहने वाले ने कहा पूर्व में जो हुआ सो हुआ? लेकिन देखना भविष्य में अब छोटे भाई ऐसा नहीं करेंगे श्रीमान? आखिर उन्हें भी तो रखना है अपने भाई की बात का सम्मान?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** भौपुरा वाली कमिश्नरी से बार बार उठ रही है आवाज? कहने वाले कह रहे हैं हमें तो हमारे प्रभारी जी ने एक बार दर्शन दिये हैं? बाकी कब मिलेगा हमें उनके दर्शनों का लाभ? कहने वाले कह रहे हैं जब से दिया गया है उनको ये किरदार? तब से दुर्लभ हैं उनके दीदार? हमारी भी है कुछ दिल की बातें उन्हें हम किसके सामने रखें यार? कहने वाले ने कहा पेशे से वो मास्टर हैं? अपने स्टूडेंट के भविष्य पर उनका फोकस सबसे ज्यादा होता है यार?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** बृज वाले एरिया की कमिश्नरी वाले बैठक में जब पार्षदों से पूछ लिया किसी ने सवाल? पूछने वाले ने पूछा आप क्यों नहीं आते हो पार्टी की मीटिंगों में? क्या आपको नहीं है पार्टी का ख्याल? इस पर पार्षदों ने भी रख दी तुरंत अपनी राय? पार्षद बोले हम तभी तो जायें जब भगवा कमिश्नर द्वारा हमें बुलाया जाये? हमें तो मिलती ही नहीं है कार्यक्रमों की सूचना? ना जाने क्यों वो जरूरी नहीं समझते हैं हमको पूछना?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** इन दिनों नदिया पार के कुल में दीप जलाने कसाना ने मचाया हुआ है तूफान? मगर हम देख रहे हैं अब उन्होंने भगवा पोलिटिक्स से भी हटा लिया है ध्यान? सुना है उन्होंने फिर से कर ली है आरडब्लूए में वापसी? अब इसी सिस्टम में वो कर रहे हैं काम? मगर सुना है जब कोई बोलता है हैवीवेट वालों के खिलाफ? तो आ जाता है उनके सीने में तूफान?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।